NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D.I B. Pharma
BPT MPT D|BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

विजडम इंडिया

निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति

EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 16 अंक: 49 लखनऊ, शनिवार 10 अक्टूबर 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

उपचुनाव में बीजेपी की जीत पर पीएम मोदी का बड़ा बयान - जनता ने जनादेश मॉडल पर लगाई मुहर

एजेंसी।

दिल्ली। पश्चिम बंगाल और असम उपचुनाव में बीजेपी की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पार्टी उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। पीएम मोदी ने कहा कि यह जनादेश बीजेपी–एनडीए के सुशासन एजेंडे से जनता के गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। उन्होंने पुडुचेरी में जीत दर्ज करने वाले सहयोगी दल एआईएनआरसी को भी शुभकामनाएं दीं। पश्चिम बंगाल और असम में हुए उपचुनावों में बीजेपी की शानदार जीत के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पार्टी उम्मीदवारों को बधाई दी। वोटों की गिनती के बाद शुक्रवार को नतीजे घोषित किए गए। X पर एक पोस्ट में, पीएम मोदी ने लगातार समर्थन के लिए वोटरों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि ये नतीजे बीजेपी–NDA के गवर्नेंस एजेंडा के साथ जनता के जुड़ाव को दिखाते हैं। मोदी ने असम के नगांव में लोकसभा चुनाव के नतीजों और पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम व रेजीनगर में विधानसभा उपचुनाव के नतीजों का जिक्र



करते हुए कहा कि लोगों के लगातार मिल रहे आशीर्वाद के लिए उनका आभार! मोदी ने जीतने वाले बीजेपी उम्मीदवारों को बधाई दी और चुनावों के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं की कोशिशों की तारीफ की। अपनी पोस्ट में PM मोदी ने कहा कि नतीजों से पता चलता है कि लोगों का BJP-NDA के सुशासन के एजेंडे से गहरा जुड़ाव है। प्रधानमंत्री ने श्ग्श पर लिखा कि मैं जीत हासिल करने वाले BJP उम्मीदवारों को बधाई देता हूँ और कड़ी मेहनत की भी सराहना करता हूँ। उन्होंने पुडुचेरी की थट्टनचावड़ी सीट पर जीत के लिए BJP के सहयोगी दल, ऑल इंडिया NR कांग्रेस (AINRC) को भी बधाई दी। ऑल इंडिया NR कांग्रेस के अशोक आनंद ने पुडुचेरी में 13,358 वोट हासिल करके 8,482 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस जनादेश से जन–कल्याण और लोगों की उम्मीदों को पूरा करने के लिए गठबंधन की कोशिशों को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि यह जनादेश हमें और ताकत देगा, क्योंकि हम लोगों की भलाई और उनके उज्ज्वल व समृद्ध भविष्य की उम्मीदों को पूरा करने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। बीजेपी ने पश्चिम बंगाल में रिकॉर्ड अंतर से नंदीग्राम सीट बरकरार रखी और रेजीनगर सीट भी जीती, जो बड़ी अल्पसंख्यक आबादी वाला निर्वाचन क्षेत्र है। ये नतीजे राज्य में उपचुनावों में पार्टी के शानदार प्रदर्शन को दर्शाते हैं। असम के नागांव में, बीजेपी उम्मीदवार देवाशीष शर्मा ने 6,87,110 वोट हासिल किए और 1,66,134 वोटों के अंतर से जीत हासिल की। पीएम मोदी की पोस्ट में जिन तीन निर्वाचन क्षेत्रों दृ नागांव, नंदीग्राम और रेजीनगर दृ का जिक्र था, उनके नतीजों के आधार पर ही उन्होंने पार्टी के उम्मीदवारों और कार्यकर्ताओं को बधाई देने वाला संदेश दिया।

जेवर एयरपोर्ट का नाम नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट करने का प्रस्ताव पारित, योगी कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के सार्वजनिक जीवन पर जताया आभार

संवाददाता।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर का नाम बदलकर 'नरेंद्र मोदी इंटरनेशनल एयरपोर्ट' करने का प्रस्ताव पारित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूरे होने के अवसर पर लिए गए इस निर्णय को मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार की ओर से उनके नेतृत्व, मार्गदर्शन और उत्तर प्रदेश के विकास में योगदान के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक बताया। कैबिनेट ने प्रधानमंत्री के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन पर अभिनंदन प्रस्ताव भी पारित किया। बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा कि सात अक्टूबर को प्रधानमंत्री ने सरकार के मुखिया के रूप में 25 वर्ष की निरंतर सार्वजनिक सेवा पूरी की। उनकी यह यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्र प्रथम की भावना से प्रेरित रही है। यह केवल सत्ता और शासन की यात्रा नहीं, बल्कि जनसेवा से जनकल्याण और जनभागीदारी से जनविश्वास तक पहुंचने का प्रयास है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत–2047 के संकल्प को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम करती रहेगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को मिली बड़ी सौगात है। आने वाले समय में यह परियोजना प्रदेश की अर्थव्यवस्था, उद्योग, पर्यटन और वैश्विक संपर्क को नई ऊंचाई प्रदान करेगी। इसके विकसित होने से उत्तर प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय विमानन और माल परिवहन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री काशी से निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं और उत्तर प्रदेश की धरती से देश का नेतृत्व कर रहे हैं। वर्ष 2014 में काशी आगमन के दौरान प्रधानमंत्री ने कहा था, 'मुझे मां गंगा ने बुलाया है।' इसके बाद काशी और प्रधानमंत्री का संबंध राजनीतिक प्रतिनिधित्व से आगे बढ़कर विकास, आध्यात्मिक पुनर्जागरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण से जुड़ गया। मुख्यमंत्री के अनुसार, केंद्र और प्रदेश की सरकारों के समन्वय से उत्तर प्रदेश में विकास की



नई कार्यसंस्कृति विकसित हुई है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश प्रशासनिक जड़ता, असुरक्षा और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहा था, जबकि इसके बाद पारदर्शी प्रशासन, तकनीक आधारित सुशासन, मजबूत कानून–व्यवस्था और निवेश के अनुकूल वातावरण को विकास का आधार बनाया गया।प्रदेश में सड़क, रेल, मेट्रो और विमानन सुविधाओं के विस्तार का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि करीब 2,483 किलोमीटर लंबे 42 राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास पर लगभग 60 हजार करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। दिल्ली–सहारनपुर–देहरादून एक्सप्रेसवे, दिल्ली–मेरठ एक्सप्रेसवे और कानपुर–लखनऊ एक्सप्रेसवे जैसी परियोजनाओं ने प्रदेश की कनेक्टिविटी को गति दी है। दिल्ली–गाजियाबाद–मेरठ नमो भारत क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली परियोजना पर 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। लखनऊ, कानपुर, आगरा, मेरठ, गाजियाबाद और नोएडा–ग्रेटर नोएडा में मेट्रो नेटवर्क का विस्तार भी हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट इस बदलती कनेक्टिविटी का नया केंद्र बनेगा और भविष्य में देश के प्रमुख विमानन केंद्रों में शामिल हो सकता है।मुख्यमंत्री ने उत्तर प्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक और माल परिवहन केंद्र के रूप में विकसित करने के प्रयासों का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि दादरी पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल गलियारों का प्रमुख जंक्शन बन चुका है तथा एक हजार किलोमीटर से अधिक लंबा समर्पित माल गलियारा प्रदेश से गुजर रहा है। वाराणसी में राष्ट्रीय जलमार्ग–1 पर बहुविध परिवहन आधारित अंतर्देशीय बंदरगाह टर्मिनल और 100 एकड़ में माल परिवहन केंद्र विकसित किया गया है। लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल संयोजन इकाई, उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारा और एक हजार एकड़ में प्रस्तावित पीएम मित्र वस्त्र पार्क को औद्योगिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन परियोजनाओं से प्रदेश में निवेश, उत्पादन और रोजगार की संभावनाएं बढ़ रही हैं।किसान कल्याण की योजनाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत प्रदेश के तीन करोड़ से अधिक किसानों के खातों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि भेजी जा चुकी है। करीब 86 लाख किसानों की ऋणमाफी की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 5.50 करोड़ किसानों को 13,42,978 करोड़ रुपये का फसल ऋण वितरित किए जाने का आंकड़ा भी प्रस्तुत किया गया। इसके अलावा 79.51 लाख किसानों को फसल क्षति के मद में सहायता मिली है और गन्ना किसानों को 3.30 लाख करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने, कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए केंद्र और प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से काम कर रही हैं।गरीब परिवारों को आवास, खाद्यान्न और पेयजल उपलब्ध कराने वाली योजनाओं का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 65 लाख से अधिक गरीब परिवारों को आवास दिए गए हैं।

प्रवासियों ने ही आपका इतिहास...खड़े-खड़े भारत ने कर दी जेडी वेंस की गजब बेइज्जती

एजेंसी।

दिल्ली। विदेश मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका द्वारा कुछ कंपनियों के पीईआरएम आवेदन रोकने से H–1B वीजा की वैधता प्रभावित नहीं होगी, लेकिन



इससे ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। प्रवक्ता ने यह भी कहा कि प्रतिभाओं की आवाजाही से भारत और अमेरिका दोनों को लाभ होता है, जिससे पेशेवरों को अवसर और कंपनियों को कुशल कर्मचारी मिलते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को इस बात पर जोर दिया कि टैलेंट मोबिलिटी (प्रतिभाओं की आवाजाही) से भारत और अमेरिका दोनों को फायदा होता है। इससे भारतीय पेशेवरों के लिए अवसर पैदा होते हैं और अमेरिकी कंपनियों को ऐसे कुशल कर्मचारी मिलते हैं जो इनोवेशन, रिसर्च और प्रोडक्टिविटी में योगदान देते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी श्रम विभाग ने कुछ कंपनियों के लिए 'परमानेंट लेबर सर्टिफिकेशन' (PERM) प्रोग्राम के तहत आवेदन स्वीकार करना रोक दिया है। जायसवाल ने कहा कि इस कदम से भारतीयों के पास मौजूद H–1B वीजा की वैधता या वीजा धारकों के आश्रितों के स्टेटस पर कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन योग्य कर्मचारियों के लिए ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। जयसवाल ने कहा कि चल्ड आवेदनों को रोकने से H–1B वीजा की वैधता या H–1B वीजा धारकों और उनके आश्रितों के स्टेटस पर कोई असर नहीं पड़ता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस फैसले का असर प्रभावित कंपनियों के योग्य कर्मचारियों की परमानेंट रेजिडेंसी या ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर पड़ सकता है। ट्रंप सरकार ने प्दविले, ज्ंजं, विप्रो, HCL और कॉग्निजेंट जैसी बड़ी कंपनियों को एक प्रोग्राम से सस्पेंड कर दिया है। इसी प्रोग्राम से यह कंपनियां अपने एंप्लाइज का ग्रीन कार्ड प्रोसेस शुरू करती हैं। तो, क्या अमेरिका में काम कर रहे हर भारतीय का वीजा खतरे में है? तो जवाब है नहीं। पूरे मामले को गहराई से समझने के लिए पहले ग्रीन कार्ड को समझिए। मान लीजिए एक भारतीय इंजीनियर प्दविले में काम करता है या किसी XYZ कंपनी में काम करता है और अमेरिका में पोस्टेड है। वह वहीं हमेशा के लिए बसना चाहता है। इसके लिए उसकी कंपनी को उसका ग्रीन कार्ड प्रोसेस शुरू करना होता है। ग्रीन कार्ड मिलने पर कोई भी विदेशी अमेरिका में अस्थाई तौर पर रह सकता है और काम कर सकता है। लेकिन यह प्रोसेस लंबा है। इसके कई स्टेज होते हैं। इस प्रोसेस में पहला स्टेज अहम है। यानी कि पीईआरएम फुल फॉर्म जाने तो प्रोग्राम इलेक्ट्रॉनिक रिव्यू मैनेजमेंट। यह अमेरिकी लेबर डिपार्टमेंट का प्रोसेस है। इस प्रोसेस में कंपनी को पहले यह दिखाना होता है कि इस नौकरी के लिए कोई सही या योग्य अमेरिकी एंप्लई नहीं मिला है। साथ ही विदेशी एंप्लई को नौकरी देने से अमेरिकी कर्मचारियों की नौकरी या उनकी सैलरी पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा। इसके लिए कंपनी पहले उस नौकरी की सही सैलरी तय करवाती है। इसे प्रिवेलिंग वेज कहते हैं। इसके बाद कंपनी नौकरी का विज्ञापन निकालती है और अमेरिकी लोगों को आवेदन करने का मौका देती है। अगर इस प्रोसेस के बाद भी कोई योग्य अमेरिकी कर्मचारी नहीं मिलता है तो कंपनी अमेरिकी लेबर डिपार्टमेंट में आवेदन करती है।

मतदाता सूची में धांधली के आरोपों पर लखनऊमें आप का प्रदर्शन, मुख्य चुनाव आयुक्तको हटाने और चुनाव दोबारा कराने की मांग

लखनऊ (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ी और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के विरोध में शुक्रवार को लखनऊ के स्वास्थ्य भवन चौराहे पर प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने नोकझोंक हुई। बाद में पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेकर इको गार्डन भेज दिया।आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आह्वान पर आयोजित



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और गिरफ्तार करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर मतदाताओं के अधिकारों से खिलवाड़ किया जा रहा है। पुलिस ने बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को रोकने का प्रयास किया। इस दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच प्रदर्शन का नेतृत्व दिल्ली के विधायक और पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी विशेष रवि ने किया। उन्होंने इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उनका आरोप था कि आयोग के भीतर अन्य चुनाव आयुक्तों की ओर से दस महीने में दर्ज 14 आपत्तियों को नजरअंदाज कर बिना आम सहमति के फैसले लिए गए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने और हटाने का अधिकार निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी और उपजिलाधिकारी के पास है, लेकिन मुख्य चुनाव आयुक्त ने कथित तौर पर इस प्रक्रिया में अपने अधिकारों का अनुचित इस्तेमाल किया। उन्होंने फॉर्म छह में बदलाव और पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के नाम हटाए जाने के मामले पर भी सवाल उठाए।अयोध्या प्रांत अध्यक्ष विनय पटेल ने आरोप लगाया कि विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान कई राज्यों में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए। उन्होंने दिल्ली, बिहार और पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाए जाने को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि जिन राज्यों में सूची में हेरफेर कर चुनाव कराए जाने के आरोप हैं, वहां चुनाव रद्द कर दोबारा मतदान कराया जाना चाहिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश की मतदाता सूची के आंकड़ों पर भी सवाल उठाया। उनका दावा था कि प्रदेश में 84 लाख नाम जोड़े जाने की जानकारी दी गई, जबकि उनके अनुसार वास्तविक आंकड़ा 71 लाख के आसपास है। उन्होंने 13 लाख नामों के अंतर का ब्योरा सार्वजनिक करने की मांग की।रुहेलखंड प्रांत अध्यक्ष मोहम्मद हैदर ने भी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के आरोप लगाते हुए प्रभावित राज्यों में दोबारा चुनाव कराने की मांग की। पार्टी नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची में किसी भी तरह की अनियमितता की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।लखनऊ की जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को संरक्षण दे रही है। उन्होंने मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने और गिरफ्तार करने के साथ उन राज्यों में चुनाव दोबारा कराने की मांग की, जहां मतदाता सूची में हेरफेर के आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने आगामी चुनावों में ईवीएम के स्थान पर मतपत्रों के इस्तेमाल की मांग भी उठाई। रिजवी ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित होने तक पार्टी का आंदोलन जारी रहेगा।

मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, केंद्र और दिल्ली पुलिस को मेट्रो और ट्रेनों पर लगी पूर्ण रोक हटाने का कोर्ट ने दिया निर्देश

एजेंसी।

दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शनों के मद्देनजर मेट्रो और रेल सेवाओं पर लगी पूर्ण रोक हटाने का निर्देश दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सुरक्षा के नाम पर सार्वजनिक परिवहन पूरी तरह बंद नहीं किया जा सकता, बल्कि इसे केवल रेगुलेट किया जाना चाहिए। इसके बाद केंद्र सरकार भी नागरिकों की सुविधा हेतु इन पाबंदियों पर पुनर्विचार करने को तैयार हो गई। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र और दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वे शनिवार को दिल्ली में प्रस्तावित विरोध–प्रदर्शनों से पहले मेट्रो और रेलवे सेवाओं पर लगी पूरी तरह से रोक को हटा लें। कोर्ट ने साफ किया कि सुरक्षा उपायों के नाम पर सार्वजनिक परिवहन पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती और इससे लाखों आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने कहा कि अधिकारी गैर–कानूनी भीड़ को रोकने के लिए ट्रेनों की आवाजाही को रेगुलेट कर सकते



हैं, लेकिन पूरे सिस्टम को रोक नहीं सकते। बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली के निवासियों के सार्वजनिक सुविधाओं का इस्तेमाल करने और आजादी से आने–जाने के अधिकार की भी सुरक्षा जरूरी है। बेंच ने कहा कि किसी चीज को रोकना और उसे रेगुलेट करना दो अलग–अलग बातें हैं। रेगुलेट तो किया जा सकता है, लेकिन सब कुछ रोक देना बिल्कुल अलग बात है... आप सब कुछ नहीं रोक सकते।अदालत ने कहा मक्खी मारने के लिए हथौड़े का इस्तेमाल नहीं किया जाता।' अदालत ने समझाया कि अधिकारियों को हालात के हिसाब से कदम उठाने चाहिए, न कि बहुत ज्यादा पाबंदियां लगानी चाहिए। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा चूंकि आयोजक हमारे सामने नहीं हैं, इसलिए कोर्ट के सामने सीमित मुद्दा यह है कि क्या मेट्रो और ट्रेनों को पूरी तरह से रोकने के फैसले पर फिर से विचार करने की जरूरत है। हमारे इस सुझाव पर कि मेट्रो और ट्रेनों पर पूरी तरह रोक लगाने और उन्हें रेगुलेट करने के बीच अंतर है, सॉलिसिटर जनरल ने उचित रूप से सहमति जताई है कि वे रोक पर फिर से विचार करेंगे और मेट्रो ट्रेनों व अन्य ट्रेनों के संचालन की ऐसी रेगुलेटेड व्यवस्था करेंगे जिससे दिल्ली के नागरिकों को कोई असुविधा न हो, साथ ही आनुपातिकता के सिद्धांत का भी ध्यान रखा जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया भरोसे के आधार पर, हम निर्देश देते हैं कि मेट्रो और दूसरी ट्रेनों के चलने के बारे में सोच–समझकर फैसला लिया जाए, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो और इसकी व्यापक जानकारी भी दी जाए। इसी तरह, नई एडवाइजरी जारी की जाए ताकि शहर में आने–जाने के दौरान जनता को कोई तकलीफ न हो। कोर्ट ने यह आदेश तब दिया जब केंद्र और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, बेंच की चिंताओं (कि क्या पाबंदियां जरूरत के हिसाब से हैं) के जवाब में पाबंदियों पर फिर से विचार करने को तैयार हो गए। कोर्ट ने निर्देश दिया।

योगी आदित्यनाथ कैबिनेट का बड़ा फैसला, अब उत्तर प्रदेश भी बनेगा 'ग्लोबल मैनपावर हब'

संवाददाता। लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में सभी 39 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र (एसवीपीएसटीपीजेड) विकास योजना को मंजूरी प्रदान की गई।इस योजना के माध्यम से उत्तर प्रदेश को 'अल्टीमेट सोर्सिंग हब ऑफ स्किल्ड मैनपावर' और 'ग्लोबल मैनपावर हब' के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जनपदों को आच्छादित करते हुए नौ जोन में कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार का एकीकृत तंत्र विकसित किया जाएगा। इससे युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित कर देश–विदेश में उपलब्ध रोजगार के अवसरों से जोड़ने में सहायता मिलेगी।उद्योगों की आवश्यकता के अनुरूप तैयार होगा कुशल कार्यबल उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका है।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 10 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

यूपी में एसआईआर पर उठे सवाल, 2.96 करोड़ नाम हटाने, 16 लाख नए मतदाताओं के विवरण और 85,854 फार्म-7 की प्रक्रिया का हिसाब मांगा

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मतदाताओं के नाम हटाने, नए मतदाताओं को जोड़ने और फॉर्म–7 के इस्तेमाल की प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। इस संबंध में निर्वाचन आयोग से पूरी प्रक्रिया का विवरण सार्वजनिक करने और मतदाता सूची में किए गए बदलावों का कारणवार हिसाब देने की मांग की गई है।एसआईआर के दौरान 2.96 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने के आंकड़े को लेकर सवाल उठ रहे हैं। निर्वाचन आयोग से पूछा गया है कि इनमें कितने नाम मृत मतदाताओं के थे, कितने मतदाता स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए थे और कितने नाम दोहरी प्रविष्टियों अथवा अन्य कारणों से हटाए गए। साथ ही यह भी स्पष्ट करने की मांग की गई है कि कितने पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए जाने की शिकायतें मिलीं और प्रभावित लोगों को अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया या नहीं। नाम हटाने के कारणों का बूथवार विवरण सार्वजनिक करने की मांग भी उठाई गई है, ताकि प्रत्येक मतदान केंद्र की स्थिति की जांच की जा सके।वहीं, फॉर्म–6 के माध्यम से लगभग 16 लाख नए मतदाताओं को जोड़ने से संबंधित विवरणों को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। निर्वाचन आयोग से पूछा गया है कि इन आवेदनों को कब प्राप्त किया गया और किन तारीखों पर मतदाता सूची में नाम शामिल किए गए। निर्धारित नियमों के तहत आवश्यक सार्वजनिक सूचनाएं उपलब्ध कराई गई थीं या नहीं, इसकी जानकारी भी मांगी गई है। इस मामले में उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी और भारत निर्वाचन आयोग से संबंधित प्रक्रिया और जिम्मेदारी स्पष्ट करने की मांग की गई है।फॉर्म–7 के इस्तेमाल को लेकर भी गंभीर सवाल सामने आए हैं। उपलब्ध कराए गए आंकड़े के अनुसार, 85,854 फॉर्म–7 तैयार किए जाने की प्रक्रिया की जांच की मांग की गई है। इन फॉर्मों को किसके निर्देश पर और किन आधारों पर तैयार किया गया, क्या प्रत्येक मामले में विधिवत आपत्ति दर्ज थी और क्या संबंधित मतदाताओं को नोटिस देकर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया, इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा गया है। साथ ही यह जानकारी भी सार्वजनिक करने की मांग की गई है कि इन फॉर्मों के आधार पर वास्तव में कितने नाम हटाए गए और संबंधित निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों ने प्रत्येक मामले में स्वतंत्र रूप से निर्णय लिया या नहीं। एसआईआर की प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए नाम हटाने, नए नाम जोड़ने और फॉर्म–7 के इस्तेमाल से जुड़े रिकॉर्ड की जांच कराने की मांग की गई है। सवाल उठाया गया है कि क्या निर्वाचन आयोग सभी संबंधित आंकड़ों का श्रेणीवार विवरण सार्वजनिक करेगा और यदि किसी स्तर पर निर्धारित नियमों का उल्लंघन पाया जाता है तो जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जाएगी। मतदाता सूची की विश्वसनीयता लोकतांत्रिक व्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। ऐसे में सूची में किए गए बदलावों को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब आधिकारिक आंकड़ों और अभिलेखों के माध्यम से दिया जाना जरूरी है। हालांकि, इन आंकड़ों के आधार पर किसी अनियमितता या साजिश का निष्कर्ष निकालने से पहले संबंधित रिकॉर्ड और तथ्यों की पुष्टि आवश्यक है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिंदी में किया एक लाख फैसलों का अनुवाद

वेबसाइट पर मुफ्त पढ़ सकेंगे लोग, न्याय को आम लोगों तक पहुंचाने की पहल सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का भी हो रहा अनुवाद

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक लाख फैसलों का हिंदी में अनुवाद पूरा कर लिया है। ये सभी फैसले हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर मुफ्त उपलब्ध हैं। न्याय को आम लोगों की भाषा में सरल बनाने की दिशा में यह बड़ी उपलब्धि है। इस मौके पर पांच अक्टूबर को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली के संरक्षण में श्द वर्नाक्युलर वॉइस ऑफ जस्टिसश नाम की स्मारिका का विमोचन किया गया। इसमें सुबास प्रकोष्ठ की ओर से पहले अनुवादित फैसले से लेकर एक लाखवें फैसले तक के सफर को शामिल किया गया है।

हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरुण भंसाली ने हिंदी में अनुवादित एक लाखवें फैसले को वेबसाइट पर अपलोड किया। कार्यक्रम में न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा, न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन, न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा और एआई असिस्टेड लीगल ट्रांसलेशन एडवाइजरी, ई–एचसीआर एवं आईएलआर कमेटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति अजित कुमार सहित अन्य न्यायमूर्तिगण मौजूद रहे। इस पहल का उद्देश्य कानूनी समुदाय के साथ आम लोगों को भी न्यायिक फैसलों तक आसानी से पहुंच उपलब्ध कराना है।



हाईकोर्ट में हिंदी अनुवादित पहला फैसला 23 अगस्त 2023 को अपलोड किया गया था। इसके बाद 12 दिसंबर 2025 को 50 हजारवां अनुवादित फैसला अपलोड किया गया। अब पांच अक्टूबर 2026 तक यह संख्या एक लाख पहुंच गई है। इस काम के लिए 16 अगस्त 2023 को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुबास प्रकोष्ठ की स्थापना की गई थी। इसका उद्देश्य तकनीक की मदद से न्यायिक फैसलों को देशज भाषाओं में उपलब्ध कराना और न्याय व्यवस्था को अधिक सरल व सुलभबनाना है।

उत्तर प्रदेश को सतत विमानन ईंधन निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने की तैयारी, हरित रोजगार और निवेश को मिलेगा बढ़ावा

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश को सतत विमानन ईंधन (एसएएफ) के निर्माण का प्रमुख केंद्र बनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश सतत विमानन ईंधन विनिर्माण प्रोत्साहन नीति–2026 तैयार की है। इस नीति का उद्देश्य ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने, विमानन क्षेत्र में कार्बन उत्सर्जन कम करने तथा नवाचार, निवेश और सार्वजनिक–निजी भागीदारी के माध्यम से हरित रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इसके जरिए कृषि अवशेषों, नगरीय अपशिष्ट और अखाद्य तैलीय बीजों जैसे स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर ईंधन उत्पादन को प्रोत्साहित करने की योजना है।सतत विमानन ईंधन को पर्यावरण संरक्षण और पारंपरिक जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इसके उत्पादन से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होने के साथ स्थानीय स्तर पर कच्चे माल की आपूर्ति और प्रसंस्करण से जुड़ी मूल्य श्रृंखला विकसित हो सकती है। इससे कृषि अवशेषों का उपयोग बढ़ेगा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी गति मिल सकती है।वैश्विक स्तर पर विमानन क्षेत्र कार्बन उत्सर्जन कम करने और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा में प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में सतत विमानन ईंधन उद्योग तेजी से विकसित हो रहा है। भारत में केंद्र सरकार ने अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए वर्ष 2027 तक एक प्रतिशत और वर्ष 2028 तक दो प्रतिशत सतत विमानन ईंधन मिश्रण के सांकेतिक लक्ष्य घोषित किए हैं। इस क्षेत्र में उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं।एशिया में सतत विमानन ईंधन के उत्पादन और उपयोग की व्यापक संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए क्षेत्रीय सहयोग, सार्वजनिक–निजी भागीदारी और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उत्तर प्रदेश की प्रस्तावित नीति का उद्देश्य भी निवेश आकर्षित कर इस क्षेत्र में उत्पादन क्षमता विकसित करना और प्रदेश को उभरते हरित ऊर्जा उद्योग में महत्वपूर्ण स्थान दिलाना है।सतत विमानन ईंधन उत्पादन के लिए जैवभार आधारित तकनीकों को भी महत्वपूर्ण विकल्प माना जा रहा है। इसके तहत धान की भूसी, गेहूं का भूसा और गन्ने की खोई जैसे कृषि अवशेषों का उपयोग किया जा सकता है। पायरोलिसिस और गैसीकरण जैसी ताप–रासायनिक रूपांतरण तकनीकों के माध्यम से इन अवशेषों को उपयोगी ईंधन उत्पादन की प्रक्रिया में शामिल किया जा सकता है।नीति के प्रभावी क्रियान्वयन से प्रदेश में हरित ऊर्जा क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं बढ़ने, स्थानीय संसाधनों का बेहतर उपयोग होने और रोजगार के नए अवसर सृजित होने की उम्मीद है।

लगन सीजन में सुगम यातायात के लिए बारात के समय निर्धारण पर जोर

प्रयागराज। आगामी लगन सीजन में प्रयागराज की यातायात व्यवस्था को सुचारू, व्यवस्थित एवं सुगम बनाए रखने तथा आम जनमानस को जाम की समस्या से राहत दिलाने के उद्देश्य से आज शुक्रवार को पुलिस लाइंस स्थित त्रिवेणी सभागार में पुलिस यातायात द्वारा इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन, टेंट डेकोरेटर्स एवं कैटरर्स एसोसिएशन सहित संबंधित संगठनों के पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में लगन के दौरान बारात के समय को निर्धारित करने, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने तथा प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति को नियंत्रित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में इस बात पर विशेष ध्यान आकर्षित किया गया कि लगन के दौरान रात लगभग 8रू30 बजे से 10.30 बजे तक सड़कों पर वाहनों का दबाव काफी बढ़ जाता है। वहीं, रात 10 बजे के बाद नो–एंट्री खुलने पर भारी वाहनों सहित अन्य वाहनों के आवागमन और वैवाहिक आयोजनों से जुड़े यातायात के कारण कई प्रमुख मार्गों पर जाम की स्थिति उत्पन्न होने की आशंका रहती है।



इस अवसर पर इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष गुफरान अहमद ने वैवाहिक आयोजनों के दौरान सामने आने वाली यातायात संबंधी समस्याओं को अधिकारियों के समक्षौता विस्तारपूर्वक रखा।

इस महत्वपूर्ण बैठक में इलाहाबाद गेस्ट हाउस एसोसिएशन के अध्यक्ष गुफरान अहमद, उपाध्यक्ष विद्यासागर केशरी, जोनल इंचार्ज अतिन गुप्ता, प्रकाशन मंत्री शाहिद कमाल, जोनल इंचार्ज आकाश जायसवाल, विपिन अग्रवाल, सचिन तिवारी, अखिल गुप्ता, शुभम कुशवाहा, विकास सिंह, शुभम केसरवानी, टेंट डेकोरेटर्स एंड कैटरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राम जी जायसवाल, कैटरर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रियांक अग्रवाल, अकरम शगुन और विभिन्न संगठनों के अन्य पदाधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लखनऊ में 265 करोड़ से बनेगा एकी×त सिटी बस टर्मिनल, 18 शहरों में चलेंगी इलेक्ट्रिक बसें, नगर पालिकाओं में लागू होंगे भवन निर्माण के नए नियम

लखनऊ (आरएनएस)। प्रदेश में नगरीय परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने, पर्यावरण अनुकूल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने और शहरों के सुनियोजित विकास के लिए सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने शुक्रवार को कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि लखनऊ के वृंदावन योजना स्थित पी–4 पार्किंग में लगभग सात एकड़ क्षेत्रफल में 265 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से सार्वजनिक–निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर एकीकृत सिटी बस टर्मिनल एवं वाणिज्यिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के 18 शहरों में ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट (जीसीसी) मॉडल पर इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में भवन निर्माण एवं विकास संबंधी नियमों को लागू करने के लिए भी कानूनी संशोधन का निर्णय लिया गया है।मंत्री ने बताया कि वृंदावन योजना में प्रस्तावित एकीकृत सिटी बस टर्मिनल से नगरीय परिवहन व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित बनाने में मदद मिलेगी। इस परियोजना का उद्देश्य यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, बसों के संचालन को सुचारु बनाने और यातायात प्रबंधन में सुधार करना है। बस टर्मिनल के साथ वाणिज्यिक क्षेत्र विकसित होने से परिवहन सुविधाओं और व्यावसायिक गतिविधियों को एक ही परिसर में बढ़ावा मिल सकेगा। लगभग सात एकड़ में विकसित होने वाली इस परियोजना को पीपीपी मॉडल पर पूरा किया जाएगा, जिससे सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की भागीदारी के माध्यम से नगरीय बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा सके।प्रदेश में स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल परिवहन को बढ़ावा देने के लिए आगरा, अलीगढ़, अयोध्या, बरेली, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर, लखनऊ, मथुरा–वृंदावन, मेरठ, मुरादाबाद, प्रयागराज, शाहजहांपुर, सहारनपुर, वाराणसी और नोएडा–जेवर में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन किया जाएगा। इन बसों के संचालन के लिए ग्रॉस कॉस्ट कॉन्ट्रैक्ट मॉडल अपनाया जाएगा। इस व्यवस्था के तहत वाणिज्यिक संचालन शुरू होने से 12 वर्ष तक अनुबंध प्रभावी रहेगा। बस सेवाओं से संबंधित टैरिफ और उपयोगकर्ता शुल्क का निर्धारण सरकार करेगी। इस पहल से सार्वजनिक परिवहन सेवाओं को बेहतर बनाने और पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है।नगर विकास मंत्री ने बताया कि विकास प्राधिकरणों के अधिकार क्षेत्र से बाहर स्थित नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में भवन निर्माण एवं विकास संबंधी उपविधियां लागू नहीं होने के कारण कई स्थानों पर अनियोजित विकास और अनधिकृत निर्माण की समस्याएं सामने आती हैं। इन समस्याओं पर प्रभावी नियंत्रण लगाने और शहरी क्षेत्रों में विकास को व्यवस्थित बनाने के लिए उत्तर प्रदेश नगर पालिका अधिनियम, 1916 में संशोधन किया जाएगा। इसके माध्यम से नगर पालिकाओं को भूमि उपयोग, मास्टर प्लान, भवन निर्माण की अनुमति और विकास नियंत्रण से संबंधित अधिकार प्रदान किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि विकास प्राधिकरणों में लागू भवन निर्माण एवं विकास उपविधियां–2025 को नगर पालिकाओं और नगर पंचायतों में भी लागू किया जाएगा। इससे भवन निर्माण की प्रक्रिया में एकरूपता आएगी और विकास कार्य निर्धारित नियमों के अनुरूप कराए जा सकेंगे। स्थानीय निकायों को संबंधित अधिकार मिलने से अनधिकृत निर्माण पर नियंत्रण रखने तथा भूमि उपयोग और भवन निर्माण से जुड़े मामलों का नियमानुसार निस्तारण करने में मदद मिलेगी।सरकार के इन फैसलों का उद्देश्य नगरीय परिवहन सुविधाओं का विस्तार करने के साथ शहरों में नियोजित विकास को बढ़ावा देना है। एकीकृत बस टर्मिनल के निर्माण, 18 शहरों में इलेक्ट्रिक बसों के संचालन और नगर पालिकाओं में भवन निर्माण संबंधी नियमों के विस्तार से शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में काम किया जाएगा।

दस दिवसीय पुस्तक मेला कार्निवाल का भव्य शुभारंभ

अतिथियों ने पुस्तकों को बताया ज्ञान की अमूल्य धरोहर

प्रयागराज। दुर्गा पूजा एवं अग्रसेन जयंती समारोह पखवाड़े के अवसर पर शुक्रवार को लक्ष्मी नारायण वाटिका, दरभंगा कॉलोनी में दस दिवसीय पुस्तक मेला कार्निवाल 2026 का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन समारोह में मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि सीए विनय गोयल, सीए आर.के. अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, रविन्द्र कुमार गुप्ता तथा रोटेरियन अजय शर्मा उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि सीए विनय गोयल ने कहा कि पुस्तकें ज्ञान और संस्कारों की अमूल्य धरोहर हैं। ऐसे आयोजन बच्चों और युवाओं को अच्छी पुस्तकों से जोड़ने तथा समाज में अध्ययन की संस्कृति विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीए आर.के. अग्रवाल ने कहा कि पुस्तकों के माध्यम से व्यक्ति अपने ज्ञान और विचारों का विस्तार करता है।

इस अवसर पर मनोज अग्रवाल, रविन्द्र कुमार गुप्ता, डायरेक्टर, पतंजलि ग्रुप ऑफ स्कूल और रोटेरियन अजय शर्मा, अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ प्रयागराज प्लैटिनम ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी के कलाकार एवं उद्घोषक प्रियांशु श्रीवास्तव ने किया।

आयोजक मनीष गर्ग ने कहा कि पुस्तक मेला कार्निवाल का उद्देश्य केवल पुस्तकों की बिक्री नहीं, बल्कि बच्चों और युवाओं को मोबाइल स्क्रीन से हटाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करना, परिवारों में पुस्तक संस्कृति को बढ़ावा देना तथा स्थानीय लेखकों और प्रतिभाओं को मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने सभी अतिथियों, प्रकाशकों, सहयोगी संस्थाओं और पुस्तक प्रेमियों का आभार व्यक्त किया।

लक्ष्य में बैंकिंग व्यवस्था सहयोगी बने, बाधक नहीं- रजनीकांत श्रीवास्तव

प्रयागराज। हिंदुस्तान युवा उत्थान समिति द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत 2047 में बैंकों की भूमिका' विषय पर आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी एनजीओ प्रकोष्ठ के प्रांत सह–संयोजक रजनीकांत श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत, लोकल फॉर वोकल और स्वदेशी के संकल्प को वर्ष 2047 तक विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का आधार बनाया गया है। इस लक्ष्य को धरातल पर उतारने में छोटे उद्यमियों, एमएसएमई, कारीगरों, स्थानीय उत्पादकों और ओडीओपी से जुड़े उद्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन उद्यमों को मजबूत बनाने में बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम क्रेडिट गारंटी योजनाओं, ओडीओपी तथा अन्य एमएसएमई–केंद्रित योजनाओं के माध्यम से युवाओं, छोटे उद्यमियों, कारीगरों और स्थानीय उत्पादकों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास कर रही हैं। योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य केवल ऋण वितरित करना नहीं, बल्कि सफल, टिकाऊ और रोजगार देने वाले उद्यम तैयार करना होना चाहिए।श्रीवास्तव ने कहा कि कई बार शाखा स्तर के प्रबंधक, क्षेत्रीय जोनल स्तर के अधिकारी और उच्च अधिकारियों के बीच पर्याप्त समन्वय न होने से उद्यमियों की समस्याएं बढ़ जाती हैं।

कांशीराम को भारत रत्न देने की मायावती ने फिर उठाई मांग, बोलीं बहुजन समाज ही मेरा असली परिवार

लखनऊ (आरएनएस)। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के महापरिनिर्वाण दिवस पर उन्हें भारत रत्न से सम्मानित करने की मांग दोहराई। उन्होंने कहा कि कांशीराम के सामाजिक परिवर्तन में ऐतिहासिक योगदान और बहुजन समाज की भावनाओं का सम्मान करते हुए केंद्र सरकार को उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित करना चाहिए। मायावती ने बहुजन समाज को अपना असली परिवार बताते हुए उसके हित, कल्याण और अस्मिता को सर्वोपरि रखने का संकल्प भी दोहराया।मायावती ने शुक्रवार को लखनऊ स्थित बहुजन समाज पार्टी के केंद्रीय शिविर कार्यालय, नौ माल एवेन्यू के खुले प्रांगण में कांशीराम की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि पार्टी और बहुजन आंदोलन को परिवारवाद से मुक्त रखते हुए बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के सपनों के अनुरूप बहुजन समाज को शासक वर्ग बनाने के लिए सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कांशीराम ने अपना पूरा जीवन सामाजिक परिवर्तन और बहुजन समाज की आर्थिक मुक्ति के आंदोलन को समर्पित किया था। उन्होंने उन्हें अपना उत्तराधिकारी बनाया था और वह उनके विश्वास को कभी टूटने नहीं देंगी।मायावती ने कहा कि बहुजन समाज के लोगों का स्नेह और सम्मान ही उनके जीवन की सबसे बड़ी पूंजी और विरासत है। इसी आत्मविश्वास और संकल्प के बल पर बहुजन समाज पार्टी ने उत्तर प्रदेश में चार बार सरकार बनाई और एक बार पूर्ण बहुमत के साथ पांच साल तक सत्ता में रही। उनके अनुसार, पार्टी की सरकारों ने शोषित और उपेक्षित वर्गों के हित में अनेक कार्य किए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कांशीराम के मिशन को आगे बढ़ाने और बहुजन समाज को राजनीतिक रूप से सशक्त बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटने की अपील की।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पंजाब में आगामी विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए पार्टी के कार्यकर्ताओं को तन, मन और धन से जुटना होगा। कांशीराम की विचारधारा के अनुरूप बहुजन समाज को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए। मायावती ने कहा कि सत्ता किसी की दया या कृपा से नहीं मिलती, बल्कि संविधान से मिले मतदान के अधिकार की ताकत से हासिल होती है। इसलिए बहुजन समाज को अपने मताधिकार की रक्षा उसी तरह करनी चाहिए, जैसे वह अपने जीवन, संपत्ति, धर्म और आत्मसम्मान की रक्षा करता है।मायावती ने कहा कि बाबा साहेब आंबेडकर को लंबे समय तक भारत रत्न से सम्मानित नहीं किया गया था। बाद में वीपी सिंह की सरकार के समय उन्हें यह सम्मान मिला। इसी तरह कांशीराम के सामाजिक परिवर्तन में योगदान को देखते हुए उन्हें भी भारत रत्न दिया जाना चाहिए।

स्नातक एमएलसी चुनाव में सपा प्रत्याशी ने डीआईओएस पर भाजपा प्रत्याशी की मदद करने का लगाया आरोप

प्रयागराज। स्नातक एमएलसी चुनाव में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में जिला विद्यालय निरीक्षक प्रयागराज द्वारा दबाव बनाने की शिकायत सपा प्रत्याशी डॉ मानसिंह यादव ने आज जिलाधिकारी धजिला निर्वाचन अधिकारी से मिलकर लिखित शिकायत की है।

शिकायत पत्र में कहा गया है कि गत 8अक्टूबर को स्थानीय के पी काम्युनिटी हाल में भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में आयोजित बैठक में जिले के विभिन्न विद्यालयों के प्रबंधकों एवं प्रधानाचार्यों को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय से फोन कर बुलाने की जानकारी हुई है। बैठक में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में प्रचार प्रसार करने के लिए दबाव बनाने का आरोप है।

पत्र में जाँच कर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ निर्वाचन आचार संहिता का पालन न करने पर लागू कानून के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। साथ ही निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, स्वतंत्र एवं भय मुक्त बनाये रखने के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाने की मांग की गई है।

साथ में सपा शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ एस पी सिंह पटेल, सुरेश कुमार, राजू पासी, प्रशांत सिंह आदि मौजूद रहे।

प्रकृति की देन भरोसे का नाम हिमालयन राक साल्ट

प्रयागराज। सेंधा नमक यानी रॉक सॉल्ट लंबे समय से भारतीय परंपरा का हिस्सा रहा है और आयुर्वेद में इसके प्राकृतिक गुणों के कारण इसे विशेष स्थान दिया गया है। हाल के दिनों में, जैसे–जैसे लोग अपने खान–पान को लेकर जागरूक हो रहे हैं, रोजमर्रा के खाने में सेंधा नमक का इस्तेमाल काफी बढ़ गया है।

यह प्राकृतिक और कम प्रोसेस की गई चीजों के प्रति लोगों के बढ़ते झुकाव को दर्शाता है, जो एक संतुलित और स्वस्थ जीवनशैली के अनुकूल हैं। आज बाजार में ढेरों विकल्प मौजूद हैं, ऐसे में किसी भरोसेमंद ब्रांड का चुनाव करना बहुत जरूरी हो जाता है। टाटा सॉल्ट हिमालयन रॉक सॉल्ट, भारत का नंबर वन सेंधा नमक है जो लोगों की इस पसंद को टाटा ब्रांड के विश्वास और गुणवत्ता के भरोसे के साथ जोड़ता है। इसमें पोटैशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे प्राकृतिक मिनरल्स की थोड़ी मात्रा होती है, जो इसे इसकी खास पहचान देते हैं।

सेंधा नमक में मौजूद मिनरल्स के कारण इसका रंग प्राकृतिक रूप से अलग–अलग होता है।

17 अक्टूबर के कार्यक्रम को लेकर अपना दल (एस) जनसंपर्क अभियान तेज

प्रयागराज। प्रतापगढ़ की विधानसभा विश्वनाथगंज क्षेत्र के अंतर्गत नगर पंचायत कटरा गुलाब सिंह के वार्ड संख्या 7 एवं वार्ड संख्या 13, जगदीशपुर में अपना दल (एस) के पदाधिकारी ने घर–घर जाकर जनसंपर्क अभियान चलाया। 17 अक्टूबर को डॉ. सोनेलाल पटेल के परिनिर्वाण दिवस पर जीआईसी मैदान में होने वाले कार्यक्रम में भारी से भारी। संख्या में पहुंचने के लिए लोगों से निवेदन किया गया।

अमित शाह व ज्ञानेश कुमार के खिलाफ युवा कांग्रेस मे उबाल

सुल्तानपुर। मतदाताओं के अधिकारों पर डकैती व राहुल गांधी, प्रियंका गांधी समेत कई कांग्रेस नेताओं के साथ अभद्रता को लेकर युवा कांग्रेस में आक्रोश दिखा। शुक्रवार को युवक कांग्रेस के अध्यक्ष की अगुवाई में दर्जनों युवा कांग्रेस के नेताओं व पदाधिकारियो ने जुलूस निकालकर प्रदर्शन किया कलेक्ट्रेट गेट पर अमित शाह व ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाया। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से युवा जिला अध्यक्ष संतोष वर्मा की अगुवाई में निकला विरोध मार्च सुपर मार्केट पंचमुखी चौराहा होते हुए एसपी कार्यालय के सामने पहुंचा। यहां युवा कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया। यहाँ संतोष वर्मा ने कहा मतदाताओं के अधिकारों की रक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती के लिए संघर्ष जारी रहेगा। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक युवा कांग्रेस की लड़ाई थमने वाली नहीं है। युवा नेता अखंड मिश्रा ने कहा भारत के आम आदमी को अब लोकतंत्र व अपना अधिकार बचाने के लिए चुनाव आयोग से भी सावधान रहने की जरूरत है। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता गांव गांव जाकर युवाओं के सामने भाजपा और चुनाव आयोग के षड्यंत्र सामने रखेंगे इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष मानस तिवारी, जिला महासचिव अखंड मिश्रा, संजय यादव, अनमोल मिश्रा, प्रदीप निषाद, सचिन यादव, सूरज आनंद, चंदन दुबे, रेहान खान, आदर्श मिश्रा, संतोष तिवारी, सतीश यादव, आलोक उपाध्याय, राहुल यादव आदि युवा कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल रहे।



05 घंटे चला तिकोनिया पार्क में प्रदर्शन

बिना अनुमति हजारों की संख्या लाकर दिखाई ताकत

प्रदर्शन में आने वाली भीड़ को रोकने में नाकाम रहा पुलिस प्रशासन



जिलाधिकारी की अध्यक्षता में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक सम्पन्न

मीरजापुर में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 925 दुकानों का निरीक्षण, 58 नमूने फेल, 34 दुकानदारों पर 4.85 लाख का जुर्माना

मीरजापुर 09 अक्टूबर 2026– जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आहूत की गई। बैठक में सहायक आयुक्त (खाद्य)–प्प द्वारा बताया गया कि माह अप्रैल 2026 से अब तक खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा 925 दुकानों का निरीक्षण कर 162 विधिक एवं 241 सर्वे नमूने संग्रहित कर खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। जिसमें विधिक नमूने के



100 रिपोर्ट तथा सर्वे नमूने के 117 रिपोर्ट प्राप्त हुए। जिसमें 58 नमूने मानक के विपरीत पाये गये। इनके विरुद्ध न्यायालय में वाद दायर किया गया। इस सत्र में अब तक कुल 34 दुकानदारों के ऊपर 485000.00 रु0 का जुर्माना लगाया जा चुका है।जिलाधिकारी द्वारा कृत कार्यवाही पर संतोष व्यक्त किया गया एवं दूध, खोया, मिठाई एवं सभी ब्राण्डेड व स्थानीय विनिर्माताओं के खाद्य उत्पादों विशेषकर घी, खाद्य तेल, नमकीन आदि खाद्य पदार्थों पर विशेष जाँच करने का निर्देश दिया गया तथा मेला क्षेत्र यथा मां विन्ध्यवासिनी परिक्षेत्र, होटल, रेस्टोरेण्ट एवं स्ट्रीट फूड वेन्डरों द्वारा आम जनमानस को सुरक्षित खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने एवं मिलावटखोरी को रोकने हेतु प्रभावी निरीक्षण व छापेमारी करने हेतु निर्देशित किया गया एवं दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के संदिग्ध खाद्य पदार्थों के अधिक से अधिक नमूने संग्रहीत करने एवं प्रभावी प्रवर्तन कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया, साथ ही आगामी नवरात्रि के दृष्टिगत विन्ध्याचल मेला क्षेत्र में सघन अभियान चलाने हेतु निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि होलसेल की दुकानों पर 15 किग्रा के देशी घी के डिब्बों का सैम्पल अवश्य लिया जाए। जिसके क्रम में विन्ध्याचल मेला क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम द्वारा लगातार भ्रमणशील रहकर दुकानों का निरीक्षण किया जा रहा है तथा नमूना संग्रहण की भी कार्यवाही की जा रही है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग सम्पूर्ण मेला क्षेत्र व जनपद में निरन्तर क्रियाशील रहकर प्रवर्तन व निरीक्षण करती रहेगी।बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 विनोद कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सहायक आयुक्त (खाद्य)–प्प सुशील कुमार सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी एन0एन0 झा, राजेश मौर्य औषधि निरीक्षक तथा आबकारी विभाग, बाल विकास पुष्टाहार विभाग, मत्स्य विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग, जिला विद्यालय निरीक्षक विभाग, जिला पूर्ति विभाग, पुलिस विभाग, राज्य कर विभाग के अधिकारीगण तथा जिला स्तरीय कमेटी के अन्य अधिकारीगण व सदस्यगण आदि उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विन्ध्याचल में विन्ध्य महोत्सव पंडाल व अन्य तैयारियों का किया निरीक्षण

कलाकारों के ग्रीन रूमध्चेंजिंग रूम, वी0आई0पी0 सहित दर्शकों के समुचित बैठने की हो व्यवस्था

मीरजापुर, 09 अक्टूबर 2026– मां विन्ध्यवासिनी देवी के धाम विन्ध्याचल में दिनांक 10ध्11 अक्टूबर 2026 से प्रारम्भ होने वाले 09 दिवसीय नवरात्र मेला के तहत विन्ध्याचल रोडवेज में आयोजित विन्ध्य महोत्सव की तैयारियों के दृष्टिगत जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार ने अपर जिलाधिकारी वि0ध्रा0 विनोद कुमार सिंह व महोत्सव प्रभारीध्अतिरिक्त उप जिला मजिस्ट्रेट जूही प्रसाद के साथ महोत्सव पंडाल की तैयारियों का भ्रमण कर स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वाटर प्रूफ पंडाल, मंच व्यवस्था, वी0आई0पी0 व दर्शकों के बैठने की समुचित व्यवस्था, प्रकाश, लाइट एण्ड साउण्ड आदि का निरीक्षण किया। प्रभारी विन्ध्य महोत्सव जूही प्रसाद ने जिलाधिकारी को विन्ध्य महोत्सव तैयारी के बारे में विस्तृत जानकारी दी।जिलाधिकारी ने कहा कि उपरोक्त सभी व्यवस्थाएं कल तक प्रत्येक दशा में पूर्ण कर लिया जाए ताकि दिनांक 11 अक्टूबर 2026 से महोत्सव का शुभारम्भ समय से किया जा सके। उन्होंने कहा कि पंडाल के आस पास बेहतर सफाई कराई जाए तथा रोडवेज परिसर में पंडाल के बगल पर्यटन विभाग द्वारा निर्मित शौचालय कल दोपहर तक प्रत्येक दशा में साफ सफाई कर दुरूस्त कराया जाए। उन्होंने सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक रोडवेज को निर्देशित किया कि पूरे रोडवेज परिसर में साफ सफाई व्यवस्था, बसों के आवागमन के रूट चार्ट व समय सारिणी कल तक डिस्प्ले कराया जाए, इसके अतिरिक्त यात्रियों के सूचना के लिए एनाउंसमेंट सिस्टम की भी अच्छी व्यवस्था की जाए।



हत्या के मामले में वांछित 2 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार, अवैध तमंचा और कारतूस बरामद

जयपुर में हत्या के मामले में चल रहा था वांछित, हाईवे पुलिस ने आधी रात को माल गोदाम रोड से दबोचा

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

जनपद में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हाईवे पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने राजस्थान के जयपुर जिले के शिवदासपुरा थाने में दर्ज हत्या के मुकदमे में वांछित चल रहे 2 हजार रुपये के इनामी अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान देवेन्द्र उर्फ देवा (24 वर्ष), पुत्र अशोक, निवासी शांतिनगर, थाना कोतवाली मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके कब्जे से एक अवैध तमंचा 315 बोर और एक जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया है।



हाइवे पुलिस के अनुसार मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर थाना हाईवे पुलिस टीम ने माल गोदाम रोड पर थाने से करीब 50 मीटर की दूरी पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी राजस्थान के जयपुर जिले के शिवदासपुरा थाने में दर्ज हत्या के मामले में वांछित चल रहा था और उस पर 2,000 रुपये का इनाम घोषित था।

इस गिरफ्तारी और बरामदगी की कार्रवाई में थाना हाईवे के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राठी, उपनिरीक्षक आनन्द सिंह, हेड कांस्टेबल रामकुमार, कांस्टेबल लवकेश, कांस्टेबल रवेन्द्र सिंह और पीसी नाहर सिंह शामिल रहे।

पुलिस की इस कार्रवाई को राजस्थान में हत्या के मामले में वांछित आरोपी की गिरफ्तारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आरोपी के विरुद्ध आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

अवैध हथियार रखने के आरोप में नया मुकदमा दर्ज

गिरफ्तारी के दौरान आरोपी के पास से अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद होने के बाद थाना हाईवे में मुकदमा अपराध संख्या 985ध्2026 के तहत धारा 3ध्25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पहले भी दर्ज हैं कई आपराधिक मुकदमे

हाइवे पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार अभियुक्त का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उसके विरुद्ध थाना हाईवे, मथुरा में वर्ष 2023 में मारपीट, हत्या के प्रयास और घर में घुसकर अपराध करने से संबंधित मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2024 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में मुकदमा तथा वर्ष 2026 में एनडीपीएस एक्ट के तहत भी मामला दर्ज है। वहीं, जयपुर के शिवदासपुरा थाने में उसके विरुद्ध हत्या के आरोप में मुकदमा अपराध संख्या 601/2023 दर्ज है।

पुलिस मुठभेड़ मे बावरिया गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार, पैर में लगी गोली

-दो तमंचे, कारतूस, चोरी की पायजेब, 10,700 रुपये और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

थाना फरह क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं के खुलासे के लिए फरह थाना पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बावरिया गैंग के दो सदस्यों को पुलिस मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों आरोपी घायल हो गए। उनके कब्जे से दो तमंचे 315 बोर, दो जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस, चोरी की गई सफेद धातु की दो जोड़ी पायजेब, 10,700 रुपये नकद और वारदात में इस्तेमाल की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पुलिस मुठभेड़ मामले में हुई पुलिस कार्रवाई और बरामदगी के संबंध में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी ने बताया की मुखबिर से सूचना मिली थी कि थाना फरह क्षेत्र के ग्राम थिरावली, थाना जीवना क्षेत्र और कस्बा फरह में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले बावरिया गैंग के दो सदस्य राजस्थान की ओर से फरह आने वाले हैं। सूचना मिलने के बाद फरह थाना पुलिस और स्वाट टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए परखम नहर पुल के पास चेकिंग शुरू कर दी।



इसी दौरान रात करीब 9 बजकर 42 मिनट पर ओल की तरफ से फरह की ओर एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो पुलिस के मुताबिक, दोनों आरोपियों ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और परखम गौशाला रोड की ओर भागने लगे। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों आरोपियों के पैर में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस टीम ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील उर्फ सुलील पुत्र भीमा और संजू पुत्र ऊदा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, दोनों वर्तमान में थाना मगोर्रा क्षेत्र के पुरा गांव में रह रहे थे, जबकि उनके स्थायी पते राजस्थान के दौसा जिले के गणेशपुरा बताए गए हैं।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपी थाना फरह में दर्ज मुकदमा संख्या 410ध्2026 और 414ध्2026 में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 305(ए) और 331(4) के तहत वांछित चल रहे थे। इन मुकदमों का संबंध चोरी की घटनाओं से है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बरामद सामान को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मुठभेड़ में घायल दोनों आरोपियों को प्राथमिक उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) फरह भेजा गया। पुलिस का कहना है कि गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस की इस संयुक्त कार्रवाई को फरह क्षेत्र में हुई चोरी की घटनाओं की जांच के सिलसिले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

हर्ष फायरिंग का वीडियो डाला, मुकदमा दर्ज

जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के समोपुर कला गांव निवासी एक युवक ने इंस्टाग्राम पर असलहे से हर्ष फायरिग का वीडियो डाला।जानकारी होते ही पुलिस ने युवक पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।हल्के के उप निरीक्षक मुख्तार राम को उक्त मामले की जानकारी हुई।उसके बाद उन्होंने गुरुवार की रात में थानाध्यक्ष कमलनयन दूबे को घटना से अवगत कराया।उन्होंने वताया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी आईडी पर उक्त गांव के शिवानन्द यादव के द्वारा असलहे से हर्ष फायरिंग का प्रदर्शन किया जा रहा है। उप निरीक्षक ने स्क्रीन शॉट साक्ष्य के रूप में दिया है। थाने के उप निरीक्षक मुख्तार राम के तहरीर के आधार पर पुलिस ने गुरुवार की देर रात आरोपी शिवानन्द यादव निवासी सम्मोपुर कला के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।थानाध्यक्ष कमलनयनं दूबे ने बताया कि आरोपी पर सम्बंधित धारा में मुकदमा दर्ज कर उसके लाइसेंसी असलहे को जब्त कर लिया गया है।लाइसेंस रद्द करने की संस्तुती करके अधिकारियों के पास अग्रसारित कर दी गयी है।

जिला स्तरीय जूनियर एथलेटिक चैंपियनशिप का आयोजन 11 को

मिर्जापुर। जिला एथलेटिक्स संघ के तत्वावधान में दिनांक 11 अक्टूबर, दिन रविवार को प्रातः 9रू00 बजे से स्पोर्ट्स स्टेडियम, भीसखुरी पहाड़ी, मिर्जापुर में एकदिवसीय जूनियर एथलेटिक (बालकध्बालिका) चौंपियनशिप का आयोजन किया जा रहा है।

इस चौंपियनशिप में जनपद मिर्जापुर के 14 वर्ष से कम एवं 16 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ी प्रतिभाग कर सकते हैं।

आयु वर्ग की पात्रतारू

– 14 वर्षीय बालकध्बालिकारू जन्मतिथि 17ध11ध2012 से 16ध11ध2014 के बीच होनी चाहिए।

– 16 वर्षीय बालकध्बालिकारू जन्मतिथि 17ध11ध2010 से 16ध11ध2012 के बीच होनी चाहिए।

इस चौंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ी 14 से 16 नवंबर तक तेलंगाना में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय अंतर जिला जूनियर एथलेटिक चौंपियनशिप में मिर्जापुर जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रतियोगिताएंरू

– 14 वर्ष वगर्रू60 मी. दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद, गोला फेंक, भाला फेंक।

– 16 वर्ष वगर्रू60 मी. दौड़, 600 मी. दौड़, गोला फेंक, ऊंची कूद, लंबी कूद आदि।

सभी प्रतिभागी अपना जन्म प्रमाण पत्र एवं भारतीय एथलेटिक्स संघ द्वारा जारी पहचान पत्र साथ लाएं। एंट्री फीस मात्र ध्100 है।

इस आशय की जानकारी जिला एथलेटिक्स संघ के सचिव राकेश त्रिपाठी ने दी है। उन्होंने जनपद के सभी 14 व 16 वर्षीय बालक–बालिका खिलाड़ियों से अपील की है कि वे समय पर पहुंचकर चौंपियनशिप में प्रतिभाग करें।

कांग्रेस नेनिर्वाचन आयुक्त को हटाने के लिये दिया ज्ञापन

जौनपुर । शुक्रवार को कांग्रेसपार्टी के कार्यकर्ताओं ने बदलापुर में आरती सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने तथा निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े गंभीर विषयों कीनिष्पक्ष जांच कराये जाने एवं दोष सिद्ध होने पर कानूनी कार्र वाई की मांग करते हुए राष्टपति सम्बोधित सात सूत्रीय मांगों का पत्रक एसडीएम बदलापुर अमान अंसारी को सौंपा। कमेटी के कार्यकर्ताओं का कहना है कि भारत का लोकतंत्र स्वतंत्र निष्पक्ष पारदर्शी निर्वाचन व्यवस्था पर आधारित है।हमारा संविधान प्रत्येक नागरिकों को मतदान देने का अधिकार दिया है। जिसके तहत निर्वा चन आयोग की जिम्मेदारी है कि मतदाता सूची केसाथ निर्वाचन प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता, निष्पक्षता, जबाब देही सुनिश्चित हो। विगत कुछ समय से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण, मतदाताओं के नाम जोड़ने एवं हटाने तथा निर्वाचन संबंधित प्रक्रियाओं को लेकर गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं।

सगाई के दिन चाचा की मौत

जौनपुर । बेटी की सगाई के दिन चाचा की सड़क हादसे में जान चली गई। शुक्रवार सुबह 10 बजे सामने से आ रही गाड़ी से टकराने के बाद पीछे से आ रहे ट्रक की चपेट में आ गए। ट्रक का पहिया उनके पैरों के ऊपर से गुजर गया। जिससे उसका एक पैर कटकर अलग हो गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। आनन–फानन में उसे अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत करार दे दिया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 10 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

भारतीय प्रतिभा का अपमान बर्दाश्त नहीं होगा, ट्रंप प्रशासन को करारा जवाब देकर भारत ने लूटी दुनिया की वाहवाही

अब सवाल उठता है कि आखिर PERM है क्या और इस पर रोक से भारतीयों को कितना नुकसान होगा? हम आपको बता दें कि PERM यानी Permanent Labor Certification रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। अमेरिका में भारतीय प्रतिभा का लोहा मानने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने अब उसी प्रतिभा के लिए मुश्किलें खड़ी कर दी हैं, जिसने अमेरिकी तकनीकी उद्योग को वैश्विक ताकत बनाने में अहम भूमिका निभाई है। एक तरफ ट्रंप भारतीय मूल के माइक्रोसॉफ्ट सीईओ सत्य नडेला की तारीफ करते हैं, तो दूसरी तरफ उपराष्ट्रपति जेडी वांस के नेतृत्व में अमेरिकी प्रशासन माइक्रोसॉफ्ट, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो और कॉग्निजेंट समेत आठ प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों को ग्रीन कार्ड की प्रक्रिया से जुड़े चन्ड कार्यक्रम से निलंबित कर देता है। इस फैसले से हजारों भारतीय आईटी पेशेवरों के भविष्य और अमेरिका में स्थायी निवास पाने की उम्मीदों पर अनिश्चितता के बादल मंडरा रहे हैं।हालांकि, भारत सरकार ने इस मामले पर अपनी प्रतिक्रिया में स्पष्ट किया है कि PERM कार्यक्रम और एच–1बी वीजा अलग–अलग व्यवस्थाएं हैं तथा चन्ड आवेदनों पर रोक लगने से मौजूदा एच–1बी वीजा या उनके धारकों और आश्रितों की स्थिति अपने आप प्रभावित नहीं होती, भले ही पात्र कर्मचारियों की ग्रीन कार्ड प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है। विदेश मंत्रालय ने यह भी दोटूक कहा है कि प्रतिभाओं की आवाजाही भारत और अमेरिका, दोनों की अर्थव्यवस्थाओं के लिए फायदेमंद है। इससे अमेरिकी कंपनियों को उच्च कौशल वाले पेशेवर, नवाचार, अनुसंधान, उत्पादकता, प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता और रोजगार सृजन में मदद मिलती है। मंत्रालय ने वांस की उन टिप्पणियों पर भी आपत्ति जताई है, जिनमें विदेशी



कर्मचारियों के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया। भारत ने कहा कि अमेरिका में भारतीय पेशेवर उच्च शिक्षित और कुशल योगदानकर्ता हैं तथा उन्हें औपनिवेशिक इतिहास की पीड़ादायक याद दिलाने वाली भाषा से संबोधित करना गहरे तौर पर आपत्तिजनक है। देखा जाये तो भारत का यह बयान महज औपचारिक कूटनीतिक प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि वाशिंगटन के लिए स्पष्ट संदेश है कि भारतीय प्रतिभा को अपमानित करके और उसके अवसर सीमित करके दोनों देशों की साझा महत्वाकांक्षाओं को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता। अब बड़ा सवाल यह है कि ट्रंप प्रशासन का यह कदम अमेरिकी रोजगार की सुरक्षा तक सीमित है या इसके पीछे चुनावी राजनीति, भारत पर आर्थिक दबाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ संबंधों के समीकरण भी काम कर रहे हैं? उल्लेखनीय है कि उपराष्ट्रपति जेडी वांस, श्रम सचिव कीथ सॉन्डरलिंग और अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लांश ने अमेरिकी एंटी–फ्रॉड टास्क फोर्स पहल के तहत आठ प्रौद्योगिकी कंपनियों को चन्ड कार्यक्रम से निलंबित करने की घोषणा की। इनमें माइक्रोसॉफ्ट, एडोबी, टीसीएस, इंफोसिस, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, कॉग्निजेंट और कैपजेमिनी शामिल हैं। प्रशासन का आरोप है कि कुछ कंपनियों ने विदेशी कर्मचारियों की भर्ती के लिए ऐसी व्यवस्था का इस्तेमाल किया, जिससे अमेरिकी कामगारों के रोजगार और वेतन पर प्रतिकूल असर पड़ा। अब सवाल उठता है कि आखिर चन्ड है क्या और इस पर रोक से भारतीयों को कितना नुकसान होगा? हम आपको बता दें कि PERM यानी Permanent Labor Certification रोजगार आधारित ग्रीन कार्ड हासिल करने की प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण चरण है। सामान्यतः नियोक्ता को अमेरिकी श्रम विभाग से प्रमाणित कराना होता है कि संबंधित पद के लिए पर्याप्त इच्छुक और योग्य अमेरिकी कर्मचारी उपलब्ध नहीं हैं और विदेशी कर्मचारी की नियुक्ति से अमेरिकी कर्मचारियों के वेतन तथा कामकाजी परिस्थितियों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

सम्पादकीय

अब नई बेंच बनेगी

केंद्र ने विधेयक के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। मार्च 2023 में सर्वोच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की प्रक्रिया तय की। पांच जजों की संविधान पीठ ने व्यवस्था दी कि ये नियुक्तियां तीन सदस्यीय समिति करेगी, जिसमें प्रधानमंत्री, भारत के प्रधान न्यायाधीश, एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल रहेंगे। नरेंद्र मोदी सरकार को यह निर्णय पसंद नहीं आया, तो उसने उसी वर्ष दिसंबर में संसद से विधेयक पारित करवा कर समिति की संरचना बदल दी। इसके तहत प्रावधान किया गया कि नियुक्ति समिति में प्रधानमंत्री, प्रधानमंत्री द्वारा नियुक्त एक कैबिनेट मंत्री, और नेता विपक्ष रहेंगे। इस कानून को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, तो न्यायालय ने वह याचिका दो जजों की बेंच को सौंप दी।उस पीठ का बंटा हुआ फैसला बुधवार को आया। एक जज– न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता ने याचिका में पेश दलील को जायज मानते हुए कहा कि उपरोक्त कानून ने नियुक्ति समिति में सत्ता पक्ष का बहुमत कायम कर दिया है, जिससे वहां नेता विपक्ष की मौजूदगी सजावटी बन भर रह गई है। वे इस तर्क से भी सहमत हुए कि मौजूदा स्वरूप में समिति श्स्वतंत्रय मालूम नहीं पड़ती। लेकिन दूसरे जज जस्टिस एस.सी. शर्मा ने सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से पेश दलील से सहमति जताई कि इस मामले से महत्त्वपूर्ण कानूनी प्रश्न जुड़े हुए हैं, जिस पर सुप्रीम कोर्ट की अधिक बड़ी बेंच ही फैसला दे सकती है। तो अब मामला फिर से प्रधान न्यायाधीश के पास चला गया है। वे तय करेंगे कि क्या इस मुद्दे पर फिर से संविधान पीठ बने? केंद्र ने जब विधायी पहल के जरिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला पलटा था, तो उसके बाद लगभग तीन साल गुजर चुके हैं। अब नई बेंच बनेगी, तो जैसा तजुर्बा है, उसका फैसला आने में अभी कई और वर्ष गुजरेंगे। इस बीच तमाम चुनाव सरकार के मन–माफिक बने निर्वाचन आयोग की देखरेख में होते रहेंगे। अतरू सामान्य स्थितियों में फैसले का इंतजार असहनीय महसूस नहीं होता। लेकिन निर्वाचन आयोग जैसी शिकायतों से घिरता चला गया है, उसको लेकर जैसे संदेह सार्वजनिक दायरे में मौजूद हैं, उन्हें देखते हुए बहुत बड़े जनमत को संभावित देर अधेर का कारण बनती मालूम पड़ेगी।

सेवा की कहानी डबरी से सिंचाई को मिला सहारा, मछली पालन बना अतिरिक्त आय का जरिया

उमेश प्रसाद गुप्ता की भूमि पर डबरी निर्माण से खेती को मिली सिंचाई की सुविधामत्स्य बीज मिलने से शुरू किया मछली पालन, खेती के साथ अतिरिक्त आय की जगी उम्मीदजल संरक्षण के साथ आजीविका का नया अवसर, एक ही जल संरचना से दोहरा लाभ

सेवा संकल्प अभियान के तहत श्सेवा की कहानीच्य में जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण परिवारों की आजीविका में आ रहे बदलाव की तस्वीर सामने आ रही है। सरगुजा जिले के अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकिरमा निवासी श्री उमेश प्रसाद गुप्ता की निजी भूमि पर बनी डबरी उनके लिए खेती और आजीविका दोनों का सहारा बन रही है। पहले सिंचाई के पर्याप्त साधन के अभाव में खेती में परेशानी होती थी। अब डबरी निर्माण से पानी की उपलब्धता बढ़ी है और मत्स्य विभाग से मिले मत्स्य बीज के जरिए उन्होंने मछली पालन भी शुरू कर दिया है।डबरी ने दूर की सिंचाई की परेशानी उमेश प्रसाद गुप्ता बताते हैं कि पहले उनकी भूमि पर सिंचाई के लिए पर्याप्त जल स्रोत उपलब्ध नहीं था। इससे खेती के कार्य प्रभावित होते थे और पानी की व्यवस्था करना चुनौतीपूर्ण रहता था। ग्रामीण रोजगार योजना के तहत उनकी निजी भूमि पर डबरी निर्माण के लिए 3 लाख रुपये की राशि स्वीकृत हुई। डबरी निर्माण पूरा होने के बाद अब उनके खेत के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ी है और सिंचाई का एक उपयोगी साधन तैयार हुआ है।एक डबरी से खेती के साथ मछली पालन को मिला आधारडबरी का उपयोग केवल सिंचाई तक सीमित नहीं रहा। उमेश को मत्स्य विभाग की ओर से मछली पालन के लिए मत्स्य बीज उपलब्ध कराया गया। उन्होंने डबरी में मत्स्य बीज डालकर मछली पालन की शुरुआत की है। अब मछलियों के तैयार होने के बाद उनके विक्रय से अतिरिक्त आमदनी प्राप्त होने की उम्मीद है।उमेश बताते हैं कि एक ही जल संरचना से उन्हें खेती के लिए सिंचाई की सुविधा और मछली पालन के रूप में आय का अतिरिक्त माध्यम मिला है। इससे उपलब्ध जल संसाधन का बेहतर उपयोग करते हुए परिवार की आजीविका को मजबूत करने का अवसर मिला है। सिंचाई का साधन मिला, मछली पालन से होगी अतिरिक्त आय उमेश प्रसाद गुप्ता योजना से मिले लाभ पर खुशी जाहिर करते हुए कहते हैं, पहले मेरे पास सिंचाई का साधन नहीं था। अब डबरी बन गई है और मछली पालन के लिए मत्स्य बीज भी मिला है। मछली पालन से आने वाले समय में लाभ मिलेगा और इससे परिवार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी।उन्होंने योजनाओं का लाभ मिलने पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। जल संरक्षण से आजीविका तक, बढ़े ग्रामीण परिवार के अवसर डबरी जैसी जल संरचनाएं वर्षा जल के संरक्षण के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधा बढ़ाने में उपयोगी हैं। वहीं इन्हीं जल संरचनाओं में मछली पालन जैसी गतिविधियों को जोड़ने से ग्रामीण परिवारों के लिए अतिरिक्त आय के अवसर भी तैयार हो रहे हैं।उमेश प्रसाद गुप्ता की कहानी बताती है कि जल संरक्षण को खेती और आजीविका से जोड़ने वाली पहल ग्रामीण परिवारों के लिए उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग और आय के नए अवसरों का आधार बन सकती है।

एलन मस्क के बयान से उठते गंभीर सवाल- भारत की संप्रभुता और सुरक्षा सर्वोपरि

भारत के अंदर, हर भारतीय को यह स्वतंत्रता है कि वो अपनी सरकार से सवाल पूछ सके, अपनी सरकार पर सवाल उठा सके लेकिन क्या हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कतई नहीं, भारत का असली बॉस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए।अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी और दुनिया के मशहूर उद्योगपति एलन मस्क के एक बयान (सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किया गया पोस्ट) ने भारत में कई तरह के गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसका जवाब तलाशना और पूरी गंभीरता से देना बहुत जरूरी हो गया है।इस बात में कोई दो राय नहीं है कि उदारीकरण और भूमंडलीकरण के इस दौर में प्राइवेट कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा होनी ही चाहिए ताकि लोगों को फायदा भी हो और उनके पास चुनने का विकल्प भी हो। इसी तर्क का हवाला देकर भारत के अंदर भी कई लोग एलन मस्क की पीड़ा को सही बताते हुए सरकार को नसीहतें दे रहे हैं। लेकिन भारत की संप्रभुता और वैश्विक कंपनियों को भारत में कारोबार करने की इजाजत देने के बीच में एक बहुत ही हल्की सी रेखा आती है, जिसे पार करते ही कई तरह की समस्याएं खड़ी हो सकती है। भारत के अंदर, हर भारतीय को यह स्वतंत्रता है कि वो अपनी सरकार से सवाल पूछ सके, अपनी सरकार पर सवाल उठा सके लेकिन क्या हम यही स्वतंत्रता किसी विदेशी कारोबारी को दे सकते हैं? कतई नहीं, भारत का असली बॉस कौन है, यह तय करने और बताने का अधिकार सिर्फ और सिर्फ भारतीयों के पास ही रहना चाहिए। एलन मस्क ने 8 अक्टूबर को अपने ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, ष स्टारलिंक को 165 से ज्यादा देशों में लाइसेंस मिला हुआ है और कंपनी भारत सरकार के हर नियम और जरूरत को पूरा करने में पांच साल से काम कर रही है, फिर भी लाइसेंस क्यों नहीं मिला? क्या अंबानी ही भारत के असली बॉस हैं?ष जिस अंदाज में और जितनी तेजी से राहुल गांधी ने इस पर कमेंट किया, उसे लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। मस्क के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए राहुल ने लिखा, ष भारत में आपका स्वागत है, एलन। दूसरे शख्स के मिलने तक



इंतजार कीजिए।ष राहुल गांधी के जवाब से गदगद मस्क ने तुरंत जवाब देते हुए लिखा, ध्धन्यवाद राहुल, यह वाकई परेशान करने वाला है। यहां यह याद रखना भी बहुत जरूरी है कि मस्क पहले भी आरोप लगा चुके हैं कि भारत में इस सेक्टर से जुड़े बड़े कारोबारी स्टारलिंक की एंट्री भारत के बाजार में रोककर अपना दबदबा बनाए रखना चाहते हैं। लेकिन इस बार लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के जवाब देने के कारण, मामला बहुत गंभीर हो गया है। पिछले कई दिनों से राहुल, देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं और यह बात स्पष्ट तौर पर नजर आ रही है केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और विपक्षी दल खासकर राहुल के साथ संवादहीनता की स्थिति आ गई है, जिसे कतई सही नहीं माना जा सकता है। इतने गंभीर मसले पर राहुल की इतनी तेजी से की गई टिप्पणी को कतई जायज नहीं ठहराया जा सकता है। यहां साफ–साफ नजर आ रहा है कि राहुल ने एक बड़ी गलती कर दी है,जिसका जवाब अब उन्हें लगातार देते रहना पड़ेगा। भारत सरकार ने गुरुवार, 8 अक्टूबर को ही मस्क के आरोपों को खारिज करते हुए यह साफ कर दिया कि, देश में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज के लिए तय नियम सभी के लिए एक जैसे हैं। फिलहाल, तीनों कंपनियों के लिए सुरक्षा समीक्षा की प्रोसेस चल रही है। जैसे ही किसी कंपनी की सुरक्षा जांच पूरी हो जाएगी, वह अगली स्टेप यानी स्पेक्ट्रम आवंटन की मांग करने के लिए आगे बढ़ सकती है। सरकार ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि, यह कहना बिल्कुल गलत है कि नियमों को किसी के साथ भेदभाव करने के लिए लागू किया जा रहा है। मस्क के अलावा एयरटेल के मालिक सुनील भारती मित्तल की कंपनी यूटेलसैट वनवेब और मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस जियो भी लाइसेंस लेने की होड़ में है। एलन मस्क के आरोप अपनी जगह है लेकिन भारत की कोई भी सरकार देश की सुरक्षा और संप्रभुता से किसी तरह का समझौता नहीं कर सकती है। इस मामले में भारत के महत्वपूर्ण और बड़े राजनीतिक दलों को एक ही पेज पर होना चाहिए। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह संसद के प्रमुख दलों को इससे जुड़े तथ्यों से अवगत कराएं। सरकार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी मित्र एलन मस्क को भी दो टूक शब्दों में यह बता देना चाहिए कि बयानों और सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए भारत की सरकार पर कोई दबाव नहीं डाला जा सकता है। यह मामला बहुत बड़ा है और इसे दुनिया की तमाम बड़ी कंपनियों के लिए एक उदाहरण की तरह पेश किया जाना चाहिए।

बिखरी हुई व्यवस्था की कीमत अब छिपी नहीं है

भारत के कई हिस्सों में आज भी एक डॉक्टर से दूसरे डॉक्टर तक मरीज की जानकारी पहुंचाने का मुख्य जरिया खुद मरीज ही है। वह हर बार अपनी पुरानी मेडिकल रिपोर्ट लेकर जाती है– कागजों की फाइल, मोबाइल में जांच की तस्वीरें या फिर सिर्फ अपनी याददाश्त के भरोसे। इलाज के हर चरण में नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन अक्सर वह अगले डॉक्टर या अस्पताल तक नहीं पहुंच पाती।

अस्पतालों के लिए इस कमी को दूर करना लंबे समय तक प्राथमिकता नहीं रहा। जब स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की बात हुई, तो मुख्य सवाल यही रहा कि इसमें कितना खर्च आएगा और अस्पतालों को अपनी व्यवस्था में कितना बदलाव करना पड़ेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई नई डिजिटल व्यवस्था एक सप्ताहांत में लागू नहीं की जा सकती। अस्पतालों में वर्षों पुराने सॉफ्टवेयर, अलग–अलग तरह की काम करने की प्रक्रियाएं और डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल का अलग–अलग स्तर है। छोटे अस्पतालों के लिए तकनीक पर खर्च किया गया हर रुपया बिस्तरों, उपकरणों और कर्मचारियों पर होने वाले खर्च से जुड़ा होता है। इसलिए हमेशा यह सवाल रहा कि क्या नई व्यवस्था वास्तव में ऐसी समस्या का समाधान करेगी, जिसका समाधान जरूरी है।

अब सवाल बदल गया है। ज्यादा महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मरीजों की जानकारी अलग–अलग जगह बंटी रहने की वजह से अस्पतालों और मरीजों को पहले से कितना नुकसान हो रहा है। मरीज के इलाज का पूरा सफर इस समस्या को साफ दिखाता है। वह पहले किसी स्थानीय डॉक्टर को दिखा सकती है, फिर किसी जांच केंद्र पर जांच करा सकती है, उसके बाद विशेषज्ञ डॉक्टर से सलाह ले सकती है और अंत में अस्पताल में भर्ती हो सकती है। इलाज के हर चरण में मरीज से जुड़ी नई जानकारी तैयार होती है, लेकिन यह जानकारी अक्सर डॉक्टर, क्लिनिक और जांच केंद्र के बीच आगे नहीं पहुंचती।

इसके बाद क्या होता है, यह हम सभी अच्छी तरह जानते हैं कि मरीज की पूरी मेडिकल हिस्ट्री उपलब्ध नहीं होती, वही जांच दोबारा करानी पड़ती है, इलाज में अनावश्यक देरी होती है और ऐसी जानकारी जुटाने में घंटों लग जाते हैं जो पहले से कहीं और मौजूद होती है।

लंबे समय तक डेटा को अस्पताल या संस्था की अपनी संपत्ति की तरह देखा गया, जिसे अपने पास रखा जाए। जबकि असल में यह ऐसी जानकारी है, जिसे मरीज के साथ आगे बढ़ना चाहिए। अलग–अलग कंपनियों के अलग–अलग प्रारूप और एक–दूसरे से मेल न खाने वाली डिजिटल व्यवस्थाओं ने इस समस्या को और बढ़ाया है। अब जानकारी को अलग–अलग जगह बंद रखने की कीमत इतनी बढ़ गई है कि इसका नुकसान मरीजों और अस्पतालों, दोनों को हो रहा है। इसी वजह से निजी अस्पतालों ने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन यानी एबीडीएम को एक अलग नजरिए से देखना शुरू किया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी कहा है कि अलग–अलग डिजिटल स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच जानकारी के आदान–प्रदान के लिए एक समान मानकों की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि मरीज जहां भी इलाज कराए, उसकी जरूरी स्वास्थ्य जानकारी अगले डॉक्टर या अस्पताल के काम आ सके।

दुनिया के अलग–अलग देशों के अनुभव बताते हैं कि जब मरीज की स्वास्थ्य जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंचती, तो मरीज को खराब अनुभव हो सकता है, एक ही जांच बार–बार हो सकती है और इलाज में देरी हो सकती है। इसके विपरीत, अलग–अलग स्वास्थ्य प्रणालियों के बीच बेहतर तालमेल से जांचों की दोहराव वाली जरूरत और अस्पताल में दोबारा भर्ती होने के मामलों में कमी देखी गई है। प्रशासन के स्तर पर भी यही समस्या दिखाई देती है। एक अस्पताल कई बीमा कंपनियों और भुगतान करने वाली संस्थाओं के साथ काम करता है। इनमें से हर संस्था की अपनी डिजिटल व्यवस्था और अपने तरीके होते हैं। जब ये व्यवस्थाएं एक–दूसरे से ठीक से बात नहीं कर पातीं, तो बीमा दावों की प्रक्रिया बेवजह धीमी और महंगी हो जाती है। इसका सीधा असर अस्पताल की वित्तीय टीम और उसके पैसे के प्रवाह पर पड़ता है।

नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज (एनएचसीएक्स) इसी समस्या को दूर करने की कोशिश करता है। यह बीमा दावों की प्रक्रिया को एक समान बनाने पर काम करता है। चाहे डॉक्टर के लिए जरूरी जांच रिपोर्ट हो या अस्पताल और बीमा कंपनी के बीच भेजा जाने वाला दावा, अगर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी एक जगह से दूसरी जगह आसानी से नहीं पहुंच सकती, तो यह पूरी व्यवस्था की कमी है।

एनएचसीएक्स और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र के अलग–अलग हिस्सों पर काम करते हैं, लेकिन दोनों के पीछे मूल सोच एक ही है–जानकारी सुरक्षित तरीके से, एक समान व्यवस्था के तहत और जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ एक जगह से दूसरी जगह पहुंच सके।

लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र में डिजिटल व्यवस्था सिर्फ ऊपर से लागू नहीं की जा सकती। इसे डॉक्टरों, अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवाएं देने वालों के साथ मिलकर तैयार करना होगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी चेतावनी दी है कि अगर डिजिटल व्यवस्था अलग–अलग और केवल ऊपर से तय करके लागू की जाती है, तो इससे स्वास्थ्य व्यवस्था में बिखराव और स्वास्थ्य कर्मचारियों पर प्रशासनिक बोझ बढ़ सकता है। इसलिए अलग–अलग प्रणालियों को आपस में जोड़ना ही मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

भारत में यह बात खास तौर पर महत्वपूर्ण है, क्योंकि यहां निजी स्वास्थ्य क्षेत्र बहुत विविध है। महानगर का एक बड़ा कॉरपोरेट अस्पताल और दूसरे या तीसरे स्तर के शहर का छोटा अस्पताल एक जैसी तकनीक, संसाधन या डिजिटल व्यवस्था लागू करने की क्षमता नहीं रखते।

छोटे अस्पताल में अलग से तकनीकी टीम भी नहीं हो सकती। अगर डिजिटल व्यवस्था सही तरीके से नहीं बनाई गई, तो उसे लागू करने का अतिरिक्त बोझ भी अस्पताल पर पड़ सकता है। इसलिए डिजिटल व्यवस्था को अपनाने की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अस्पतालों को कितना व्यावहारिक सहयोग मिलता है और नई व्यवस्था मरीजों के इलाज के मौजूदा तरीके के साथ कितनी आसानी से जुड़ पाती है।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आपको नौकरी में तरक्की के साथ–साथ इंक्रीमेंट होने के योग हैं। आपका पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी समस्या को लेकर किसी अच्छे डॉक्टर की सलाह के बाद आपको आराम मिलेगा।

वृष राशि
आज आपका दिन शुभ रहने वाला है। अध्ययन और अध्यापन से जुड़े लोगों का दिन आज शानदार रहेगा। आपको जल्द ही बड़ी सफलता मिलने वाली है।

मिथुन राशि
आज के दिन परिस्थितियां आपके अनुकूल रहेंगी। छात्र आज किसी खेल–कूद प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं।

कर्क राशि
आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। शिक्षा में सफलता मिलेगी। लेखन और बौद्धिक आदि कार्यों से आपका मान–सम्मान बढ़ेगा।

सिंह राशि
आज आपका दिन खास रहने वाला है। आज आपको पैतृक जमीन–जायदाद से अच्छा लाभ मिलेगा।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए पॉजिटिव रहेगा। ऑफिस में कलीग्स के साथ आपकी अच्छी तालमेल बनी रहेगी। सीनियर्स आपके काम से प्रसन्न होंगे और आपके लिए पदोन्नति के आसार हैं।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। यदि आप कंस्ट्रक्शन के बिजनेस से जुड़े हुए हैं तो आपके लिए लाभ के योग हैं। जीवनसाथी को कोई बड़ी सफलता मिलने से आज आपको भी खुशी मिलेगी।

वृश्चिक राशि–
आज आपका दिन आनंद और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने काम में कुछ नए विचार लाएंगे। आपका सकारात्मक रवैया ही आपको नौकरी में तरक्की दिलाएगा।

धनु राशि–
आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। बिजनेस के सिलसिले में बनाई गई योजनाएं कारगर साबित होंगी। आपके लिए धन लाभ की संभावना बढ़ेगी।

मकर राशि–
आज आपका दिन खुशहाल बीतेगा। शिक्षा से रिलेटेड आपकी कोई मनोकामना पूरी होगी। आपको परीक्षा में अच्छे अंकों के साथ रिजल्ट मिलेंगे और अच्छे कॉलेज में एडमिशन मिलेगा।

कुंभ राशि–
आज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। आपको किसी अच्छी कंपनी से जॉब के लिए ऑफर मिलेगा, जिससे आपका फ्यूचर सिक्योर होगा।

मीन राशि–
आज का दिन आपके लिए सफलता दिलाने वाला है। नौकरी ढूंढ रहे युवाओं को अच्छी नौकरी मिलने के योग हैं। प्रॉपर्टी का काम करने वालों के कामकाज बेहतर रहेंगे। मास्टर डिग्री ले रहे हैं तो आपको कैंपस सिलेक्शन में अच्छी नौकरी मिल सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति काफी अच्छी रहेगी।

तकनीकी निगरानी के नाम पर ठेकेदारी? डीसी निर्माण के दबंगई से प्रधानाध्यापक परेशान

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिस कंधे पर विद्यालय निर्माण की गुणवत्ता की निगरानी की जिम्मेदारी हो, वही कंधा अगर ठेकेदार की भूमिका मे निर्माण की पूरी कमान अपने हाथ में लेने लगे तो सवाल उठना लाजिमी है। कुशीनगर के बेसिक शिक्षा विभाग में डीसी निर्माण गौरव पाण्डेय का हाल कुछ यही है। शिक्षकों का आरोप है कि संविदा पर तैनात डीसी निर्माण प्रधानाध्यापकों पर अपने कारखास लोगों से विद्यालय निर्माण कराने का दबाव बनाते हैं और बात न मानने पर प्रधानाध्यापको निलंबन करने की धमकी देते हैं। अब सवाल यह उठता है कि क्या डीसी निर्माण को विद्यालय बनवाने का अधिकार है क्या एक संविदाकर्मी को किसी प्रधानाध्यापको को निलंबित करने का अधिकार है? अगर नही तो फिर इस तरह की धमकी क्यो?।

उक्त मामला इसलिए गंभीर है क्योंकि शासन की गाइडलाइन में निर्माण कार्य की व्यवस्था स्पष्ट है। संविदाकर्मी डीसी निर्माण की भूमिका तकनीकी पर्यवेक्षण की है, जबकि विद्यालय निर्माण के क्रियान्वयन के लिए विद्यालय प्रबंध समिति की उपसमिति निर्धारित की गई है। ऐसे में सवाल यह है कि तकनीकी निगरानी की जिम्मेदारी संभालने वाला कर्मचारी आखिर निर्माण कराने अथवा निर्माणकर्ता तय करने की स्थिति में कैसे पहुंच गया?। शासन के निर्देश में निर्माण कार्य के विभिन्न चरणों के तकनीकी पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी जिला समन्वयक निर्माण को दी गई है। वहीं निर्माण कार्य के लिए विद्यालय प्रबंध समिति की उपसमिति गठित करने और निर्धारित प्रक्रिया से निर्माण कराने की व्यवस्था है। यानी डीसी निर्माण का काम निर्माण की गुणवत्ता और तकनीकी मानकों को देखना है, न कि खुद ठेकेदार बनकर निर्माण कराना या फिर अपनी पसंद का निर्माणकर्ता रखना।अगर आरोप सही हैं तो सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या तकनीकी पर्यवेक्षण की आड़ में निर्माण पर नियंत्रण स्थापित किया जा रहा है? निलंबित करा दूंगा, संविदाकर्मी को किसने दिया यह अधिकार ?रू– सूत्रों और कुछ शिक्षकों के अनुसार डीसी निर्माण गौरव पाण्डेय की कथित दबंगई से प्रधानाध्यापक परेशान हैं। आरोप है कि उनके निर्देश के मुताबिक निर्माण कराने से इनकार करने वाले प्रधानाध्यापकों को कार्रवाई और निलंबन की धमकी दी जाती है। ऐसे मे सवाल जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी से है कि क्या डीसी निर्माण को किसी शासनादेश में प्रधानाध्यापक के निलंबन की संस्तुति अथवा आदेश देने का अधिकार दिया गया है? अगर नहीं, तो फिर ऐसी धमकियों की शिकायतों पर विभाग ने अब तक क्या कार्रवाई की गयी?। निर्माण समिति का, नियंत्रण किसका?रू– समग्र शिक्षा अभियान के तहत जर्जर विद्यालय भवनों का पुनर्निर्माण बच्चों की सुरक्षा के लिए कराया जा रहा है। प्रदेश की आधिकारिक समग्र शिक्षा वेबसाइट के अनुसार जर्जर विद्यालय भवनों को ध्वस्त कर पुनर्निर्माण के लिए जिले मे पहले भी धन आवंटित किया गया था और वर्तमान में भी धन उपलब्ध कराया जा रहा है। मजे की बात यह है कि कुशीनगर जिले में विद्यालय प्रबंध समितियों को दरकिनार कर डीसी निर्माण गौरव पाण्डेय द्वारा प्रधानाध्यापको को धमकाकर स्वंय अथवा अपने कारखास लोगो से निर्माण कराया जा रहा है। जानकार कहते है यह सिर्फ विभागीय दबंगई का मामला नहीं है, बल्कि सरकारी धन के उपयोग और निर्माण की पारदर्शिता का भी सवाल है। जिले में कितने स्कूल? कितना पैसा? और किसके माध्यम से हुआ निर्माण?रू– जानकारो का कहना है कि इस पूरे मामले में जांच सिर्फ ईंट, बालू और सीमेंट की गुणवत्ता की तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। जांच में यह भी देखा जाना चाहिए कि विद्यालयवार निर्माण कार्य किसके माध्यम से कराया गया? विद्यालय प्रबंध समिति की बैठक में किसे जिम्मेदारी दी गई?निर्माणकर्ता का चयन किसने किया?भुगतान किस खाते से और किसे किया गया? विद्यालय निर्माण मे डीसी निर्माण की क्या भूमिका रही? सामग्री किस फर्म अथवा व्यक्ति से खरीदी गई?क्या प्रधानाध्यापकों पर डीसी निर्माण द्वारा किसी व्यक्ति विशेष से निर्माण कराने का दबाव बनाया गया?क्या डीएम निर्माण गौरव पाण्डेय ने किसी प्रधानाध्यापक को निलंबन अथवा स्थानांतरण की धमकी दी गई? और सबसे अहम यह है कि एक संविदाकर्मी को प्रधानाध्यापकों पर इस तरह का प्रशासनिक दबाव बनाने की छूट आखिर किसने दे रखी है? कहना ना होगा कि जिले के परिषदीय विद्यालयों में हजारों बच्चों के भविष्य से जुड़ा निर्माण कार्य यदि किसी व्यक्ति विशेष के कथित प्रभाव में चल रहा है तो यह विभाग के उच्चाधिकारियों के लिए गंभीर जांच का विषय है। अब सवाल सिर्फ यह नहीं कि विद्यालय बन रहे हैं या नहीं।

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जोश टीम का हुआ शुभारंभ, टीबी हारेगा, कुशीनगर जीतेगा के संकल्प के साथ गांव-गांव पहुचेगी जोश टीम

कुशीनगर, (आरएनएस)। टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में व्यापक जन जागरूकता एवं सक्रिय टीबी खोज अभियान को गति देने के उद्देश्य से 'जोश टीम' का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जनपद स्तर पर किया गया। राष्ट्रीय कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा एवं युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया द्वारा किया गया। जनपद स्तर पर कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यक्रम का बड़े स्क्रीन के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया, जिसे जनपद स्तरीय अधिकारियों, कर्मचारियों, युवाओं, स्वयंसेवकों एवं अन्य प्रतिभागियों ने देखा और सुना। इस दौरान टीबी उन्मूलन के संकल्प को दोहराते हुए जनपद को टीबी मुक्त बनाने में सक्रिय भागीदारी की शपथ भी ली गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी संजय चौहान ने की। गांव–गांव और घर–घर पहुंच कर जोश टीम' के माध्यम से जनपद में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा संभावित टीबी मरीजों की समय से पहचान करने के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। टीम के सदस्य गांव–गांव एवं घर–घर पहुंचकर लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव, जांच एवं निःशुल्क उपचार के संबंध में जानकारी देंगे। साथ ही संभावित टीबी मरीजों की पहचान कर उन्हें जांच एवं उपचार के लिए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में सहयोग करेंगे। अभियान के माध्यम से टीबी से संबंधित सामाजिक भ्रांतियों एवं भेदभाव को दूर करने के साथ ही टीबी मरीजों को नियमित रूप से दवा लेने और अपना उपचार निर्धारित अवधि तक पूरा करने के लिए भी प्रेरित किया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि समय से जांच, नियमित उपचार और जनभागीदारी के माध्यम से टीबी पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। कार्यक्रम के दौरान "टीबी हारेगा–कुशीनगर जीतेगा" के संकल्प के साथ जनपद को टीबी मुक्त बनाने में सामूहिक भागीदारी का आह्वान किया गया। इस अवसर पर इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र कुशवाहा, विधायक मनीष जायसवाल, विधायक विनय प्रकाश गोड़, पुलिस अधीक्षक केशव कुमार मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. चंद्रप्रकाश, जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. एस.एन. त्रिपाठी, डॉ. आर.डी. सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी, एनसीसी ऑफिसर डॉ. प्रहलाद, माय भारत वॉलंटियर्स, एनसीसी कैडेट्स एवं अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

कुशीनगर में एनएचएम संविदा कर्मियों के तृतीय चरण के आंदोलन का हुआ आगाज, सीएमओ

कुशीनगर, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ (पंजी.) प्रदेश नेतृत्व के आह्ववान पर चल रहे चरणबद्ध आंदोलन के तृतीय चरण के तहत बुधवार को जनपद के एनएचएम संविदा कर्मियों ने पूर्ण कार्य बहिष्कार कर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने के कारण आज जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, नगरीय स्वास्थ्य केंद्र, जिला संयुक्त चिकित्सालय एवं टीबी अस्पताल में आकस्मिक सेवाओं को छोड़कर टीकाकरण, ओपीडी, पैथोलॉजी जांच, एनसीडी, आरबीएसके, मातृ–शिशु स्वास्थ्य सहित सभी राष्ट्रीय कार्यक्रमों से जुड़ी सेवाएं पूरी तरह बाधित रहीं। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रथम व द्वितीय चरण में कर्मियों ने काला फीता बांधकर मौन विरोध जताते हुए कार्य किया था, लेकिन शासन स्तर से कोई सकारात्मक आश्वासन न मिलने के बाद आज से आर–पार की लड़ाई शुरू की गई है। संघ का ऐलान है कि 8, 9, 10 अक्टूबर तक पूर्ण कार्य बहिष्कार जारी रहेगा और इसके बाद 12 अक्टूबर से लखनऊ में अनिश्चितकालीन घेरा डालो–डेरा डालोश आंदोलन किया जाएगा। संघ के जिलाध्यक्ष सत्येन्द्र कुमार पाण्डेय ने कहा हम लोग विगत 15–18 वर्षों से अल्प मानदेय पर स्वास्थ्य विभाग की रीढ़ बनकर सेवा दे रहे हैं। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में भी हमने जान की बाजी लगाकर काम किया। सरकार नियमितीकरण और समान कार्य–समान वेतन की हमारी प्रमुख मांगों पर चुप्पी साधे हुए है। जब तक मांगें पूरी नहीं होती हम पीछे नहीं हटेंगे। संघ के मण्डल अध्यक्ष गोरखपुर, जिला संरक्षक चन्द्रशेखर यादव ने कहा कुशीनगर के साथ–साथ पूरे गोरखपुर मण्डल में आंदोलन पूरी ताकत से चल रहा है। शासन ने हमारी 10 लाख कैशलेस बीमा, महंगाई भत्ता, ईपीएफ, एचआरए, अनुकम्पा नियुक्ति जैसी तात्कालिक मांगों को भी लटका रखा है। यह सरकार की वादाखिलाफी है। जब तक शासनादेश जारी नहीं होता, आंदोलन समाप्त नहीं होगा। आज के धरना–प्रदर्शन में जिला मंत्री राजू यादव, डा0 मधुसूदन मिश्रा, डा0 सुनीत मिश्रा, उपाध्यक्ष डा0 एस.के. सिंह, डा0 मनोज राय, संजीव जायसवाल, सुमन चौहान, ओमप्रभा,

निशिकांत सिंह, ज्योति पाण्डेय, डा0 सीमा आफताब, डा0 दिलीप गुप्ता, विनोद कुमार, सूर्यराम वर्मा, डा0 पल्लवी, अजय धर दुबे, कन्हैया यादव, सुधा मिश्रा, कमल शंकर पाण्डेय, डा0 सुबाष यादव, डा श्रेप्रकाश चंद, सौरभ समीर, गौरव श्रीवास्तव, अमन कुमार, रत्नेश मणि त्रिपाठी, अमित श्रीवास्तव सहित जिले के समस्त ब्लाको से एनएचएम संविदा कर्मी उपस्थित रहे।

इनसेट–– अन्य संगठनों ने दिया समर्थनरू– एनएचएम संघ के धरना–प्रदर्शन को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष प्रभुनन्द उपाध्याय, बेसिक हेल्थ वर्कर संघ के जिलाध्यक्ष ध्रुव शर्मा एवं महिला कार्यकत्री एएनएम संघ की जिलाध्यक्ष ममता मिश्रा ने समर्थन पत्र सौंपकर धरनारत कर्मचारियों को संबोधित किया ।

कालेज से घर लौट रहे इंटर के छात्र को घेरकर पीटा, घायल

आजमगढ़ (आर एन एस)कॉलेज से साइकिल से घर लौट रहे इंटर के छात्र को रास्ते में करीब एक दर्जन लोगों ने घेरकर मारपीट कर घायल कर दिया। घटना पूर्व में कॉलेज में हुए विवाद को लेकर बताई जा रही है। घायल छात्र ने पवई थाने में दो नामजद समेत दस अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।जानकारी के अनुसार, पवई थाना क्षेत्र के सुम्हाडीह गांव निवासी विशाल यादव (16) पुत्र सुबास यादव श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज, कलान में इंटर का छात्र है। आरोप है कि वह मंगलवार शाम करीब चार बजे साइकिल से कॉलेज से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान गालिबपुर गांव के पास करीब एक दर्जन लोगों ने उसे घेर लिया।आरोप है कि पूर्व में कॉलेज में हुए विवाद को लेकर आरोपितों ने छात्र के साथ मारपीट की और पंच व कुल्हाड़ी से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद पीड़ित ने पवई थाने पहुंचकर दो नामजद और दस अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी।पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर घायल छात्र और उसके परिजनों में दहशत का माहौल है।

कालेज से घर लौट रहे इंटर के छात्र को घेरकर पीटा, घायल

आजमगढ़ (आर एन एस)कॉलेज से साइकिल से घर लौट रहे इंटर के छात्र को रास्ते में करीब एक दर्जन लोगों ने घेरकर मारपीट कर घायल कर दिया। घटना पूर्व में कॉलेज में हुए विवाद को लेकर बताई जा रही है। घायल छात्र ने पवई थाने में दो नामजद समेत दस अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी है।जानकारी के अनुसार, पवई थाना क्षेत्र के सुम्हाडीह गांव निवासी विशाल यादव (16) पुत्र सुबास यादव श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज, कलान में इंटर का छात्र है। आरोप है कि वह मंगलवार शाम करीब चार बजे साइकिल से कॉलेज से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान गालिबपुर गांव के पास करीब एक दर्जन लोगों ने उसे घेर लिया।आरोप है कि पूर्व में कॉलेज में हुए विवाद को लेकर आरोपितों ने छात्र के साथ मारपीट की और पंच व कुल्हाड़ी से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गया। घटना के बाद पीड़ित ने पवई थाने पहुंचकर दो नामजद और दस अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी।पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर घायल छात्र और उसके परिजनों में दहशत का माहौल है।

छात्राओं ने रंगोलियों से दिया महिला सशक्तीकरण का संदेश, मिशन शक्तिऔर नारी सुरक्षा को बनाया विषय

आजमगढ़ (आर एन एस)सेवा संकल्प अभियान के तहत उच्च प्राथमिक विद्यालय सिसरेड़ी, शिक्षा क्षेत्र ठेकमा में छात्राओं ने रंगोलियों के माध्यम से महिला सशक्तीकरण, नारी सुरक्षा और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन अनुदेशक मनीष गुप्ता के नेतृत्व में किया गया।कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग करते हुए विभिन्न सामाजिक एवं जनजागरूकता विषयों पर आकर्षक रंगोलियां सजाईं। छात्राओं ने अपनी कलात्मक प्रतिभा के माध्यम से मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, महिला सशक्तीकरण, विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रंगों के जरिए जीवंत रूप दिया।रंगोलियों के माध्यम से बालिकाओं एवं महिलाओं को विभिन्न महिला हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी देते हुए सुरक्षा, सहायता और अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया। छात्राओं ने संदेश दिया कि महिलाओं की सुरक्षा और सम्मान केवल परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे समाज की जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में छात्राओं की रचनात्मकता और उत्साह देखते ही बन रहा था। विद्यालय परिवार ने कहा कि इस तरह की गतिविधियों से बच्चों में कला एवं रचनात्मकता का विकास होने के साथ सामाजिक जिम्मेदारी और जागरूकता की भावना भी मजबूत होती है। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम ने छात्राओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ समाज को सकारात्मक संदेश देने का अवसर प्रदान किया।इस अवसर पर प्रधानाध्यापक दिनेश यादव, अश्वनी तिवारी, रामानंद प्रजापति एवं मनीष गुप्ता मौजूद रहे। विद्यालय परिवार ने छात्राओं के प्रयासों और उनकी रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की।

जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के कार्यो की जिलाधिकारी ने की समीक्षा, गुणवत्तापूर्ण एवं समय बद्ध कार्य पूर्ण कराने का दिया निर्देश

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी संजय चौहान की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत जनपद में संचालित स्वच्छ पेयजल आपूर्ति से संबंधित निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न पेयजल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि पाइपलाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सड़कों का रोड रेस्टोरेशन कार्य प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि जहां कहीं भी पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त अथवा टूटी हुई है, उसे तत्काल दुरुस्त कराते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।जिलाधिकारी ने जलापूर्ति योजनाओं से जुड़े सोलर पैनलों को पूर्ण रूप से क्रियाशील एवं दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पेयजल योजनाओं के संचालन में किसी प्रकार की तकनीकी समस्या उत्पन्न होने पर उसका तत्काल समाधान सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने विभाग से संबंधित आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने लंबित एवं निर्माणाधीन कार्यों में तेजी लाते हुए निर्धारित समय–सीमा के भीतर लक्ष्य के अनुरूप कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत कनेक्शन तथा राजस्व से संबंधित भूमि आवंटनध विवाद के प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि जल जीवन मिशन सरकार की प्राथमिकता वाली योजना है। इस योजना के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही, अनियमितता अथवा गुणवत्ता से समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिशासी अभियंता, जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया कि योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की निरंतर निगरानी एवं स्थलीय अनुश्रवण करते हुए प्रगति से अवगत कराते रहें।

नौ साल बाद घर लौटी गुमशुदा युवती, पुलिस ने सकुशल बरामद किया

दोहरीघाट, मऊ। गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। थाना क्षेत्र के जमुनीपुर गांव से करीब नौ वर्ष पूर्व लापता हुई युवती बुधवार को सकुशल अपने घर लौट आई। युवती के वापस आने से परिजनों में खुशी का माहौल है। जानकारी के अनुसार जमुनीपुर निवासी साधना पुत्री शिवचन्द, उम्र करीब 30 वर्ष, छह सितंबर 2017 को बिना किसी को बताए अपनी मर्जी से घर से कहीं चली गई थीं। काफी समय तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी रिश्तेदारियों और संभावित स्थानों पर काफी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। इसके बाद परिजनों ने थाना दोहरीघाट में गुमशुदगी की सूचना दर्ज कराई थी। लगातार किए जा रहे प्रयासों के बीच बुधवार सात अक्टूबर 2026 को साधना स्वयं सकुशल वापस अपने घर पहुंच गईं। पुलिस के अनुसार युवती ने बताया कि वह वर्ष 2017 में अपनी मर्जी से घर से चली गई थीं और अब स्वयं वापस लौटी हैं। युवती के सकुशल मिलने की जानकारी होने पर पुलिस ने आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं की कार्रवाई शुरू कर दी। नियमानुसार आवश्यक चिकित्सीय परीक्षण आदि की प्रक्रिया पूरी करने के बाद युवती को परिजनों के सुपुर्द करने की कार्रवाई की जा रही है। करीब नौ वर्ष बाद बेटी के सकुशल घर लौटने पर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिजनों ने युवती की सकुशल वापसी पर मऊ पुलिस और थाना दोहरीघाट पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया।

बिना पंजीकरण चल रहा ओम चाइल्ड केयर सील, दो बच्चों को सुरक्षित दूसरे अस्पताल भेजा

आजमगढ (आर एन एस)जनपद के बिलरियागंज बाजार में बिना पंजीकरण संचालित किए जा रहे ओम चाइल्ड केयर के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई की। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा को मिली शिकायत के बाद उनके निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल पहुंचकर जांच की। जांच में अस्पताल बिना आवश्यक पंजीकरण के संचालित पाया गया और मौके पर कोई चिकित्सक भी मौजूद नहीं था।डिप्टी सीएमओ एवं निजी चिकित्सा प्रतिष्ठान के नोडल अधिकारी डॉ. मोहनलाल के नेतृत्व में पहुंची टीम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं की जांच की। इस दौरान वहां चार बेड का छप्र संचालित मिला, जिसमें दो बच्चे भर्ती थे। बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्वास्थ्य विभाग की टीम ने उनके परिजनों को स्थिति से अवगत कराया। परिजनों की सहमति के बाद दोनों बच्चों को सुरक्षित दूसरे अस्पताल में स्थानांतरित करा दिया गया। विभाग के अनुसार इस दौरान किसी प्रकार की कैजुअल्टी अथवा जनहानि नहीं हुई।जांच के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल को सील कर दिया। कार्रवाई के दौरान डॉ. मोहनलाल के साथ पटल सहायक धीरेन्द्र कुमार शुक्ला भी मौजूद रहे।मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एन.आर. वर्मा ने कहा कि जनपद में बिना पंजीकरण अथवा निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित निजी चिकित्सा प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि मरीजों की सुरक्षा स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और चिकित्सा संस्थानों में निर्धारित मानकों का पालन हर हाल में सुनिश्चित कराया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से खाई में पलटी बुलेट, युवक की मौत

– गोंठा बाईपास के पास फोरलेन पर हुआ हादसा

दोहरीघाट, मऊ। थाना क्षेत्र के गोंठा बाईपास के पास वाराणसी–गोरखपुर फोरलेन पर मंगलवार देर शाम अज्ञात वाहन की टक्कर से बुलेट सवार 18 वर्षीय युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बुलेट सड़क किनारे खाई में पलट गई। गंभीर रूप से घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक अस्पताल दोहरीघाट ले जाया गया, जहां से हालत नाजुक होने पर चिकित्सको ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया परिजन घायल को लेकर इलाज के लिये लखनऊ चले। लखनऊ ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। मधुबन थाना क्षेत्र के मीरपुर दरगाह निवासी अशोक यादव दोहरीघाट पोस्ट आफिस के अभिकर्ता है और परिवार के साथ दोहरीघाट कस्बे में किराए के मकान में रहते थे। मंगलवार की शाम उनका 18 वर्षीय पुत्र आर्यन यादव किसी काम से नईबाजार की तरफ गया हुआ था। देर शाम को बुलेट से नई बाजार से दोहरीघाट लौट रहा था। गोंठा बाईपास के पास फोरलेन पर पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसकी बुलेट में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में जा पलटी। हादसे में आर्यन के सिर में गंभीर चोट आई। स्थानीय लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस और परिजनों को देते हुए घायल को एंबुलेंस से दोहरीघाट पहुंचाया। चिकित्सकों ने गंभीर चोट होने की बात बताते हुए बेहतर उपचार के लिए लखनऊ रेफर कर दिया। परिजन उसे लेकर लखनऊ जा रहे थे, तभी रास्ते में आर्यन ने दम तोड़ दिया। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अभिकर्ताओ ने जताया शोकअभिकर्ता अशोक यादव के पुत्र आर्यन यादव की मौत ने पूरे अभिकर्ताओ को हिला कर रख दिया वही अभिकर्ताओ ने डाकघर के सामने दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से गंतात्मा की शान्ति के लिये प्रार्थना की तथा इस दुख घड़ी में परिवार को सहन शक्ति दें के लिये मौन रखा। शोक संवेदना प्रकट करने वालो में देवेन्द्र राय, मनोज यादव, दुर्गा राय, पवन जायसवाल, अतुल शुक्ला, मनीष राय, राजेश राय, गुलाबचन्द, प्रवण राय, रामानंद रंगवा, राकेश राय, बिरेन्द्र उपाध्याय, अंजनी राय, रोशन बाबू, शिवानंद उपाध्याय, गोपाल, हरेराम सिह समेत आदि लोग रहे।

चिराग जैन बने एसपी सिटी बरेली तो मधुवन कुमार सिंह हापुड़ और मानुष पारिक ने आजमगढ़ सीटी की संभाली कमान

आजमगढ़ (आर एन एस)उत्तर प्रदेश शासन ने पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए कई आईपीएस अधिकारियों के स्थानांतरण किए हैं। जारी स्थानांतरण सूची में आजमगढ़ से जुड़े अधिकारियों को भी नई जिम्मेदारियां दी गई हैं। सबसे प्रमुख बदलाव में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आजमगढ़ चिराग जैन का तबादला करते हुए उन्हें पुलिस अधीक्षक नगर, जनपद बरेली बनाया गया है। वहीं पुलिस अधीक्षक नगर बरेली मानुष पारीक को अब पुलिस अधीक्षक नगर, आजमगढ़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा आजमगढ़ के पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह का तबादला कर उन्हें पुलिस अधीक्षक हापुड़ बनाया गया है। इस फेरबदल से आजमगढ़ पुलिस के शहरी क्षेत्र की कमान में भी बदलाव होगा। स्थानांतरण सूची के अनुसार आईपीएस अधिकारी चिराग जैन (आरआर–2020) वर्तमान में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आजमगढ़ के पद पर तैनात थे। अब उन्हें पुलिस अधीक्षक नगर, बरेली की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं मानुष पारीक (आईपीएस–आरआर–2020), जो वर्तमान में पुलिस अधीक्षक नगर बरेली के पद पर कार्यरत थे, उन्हें आजमगढ़ का पुलिस अधीक्षक नगर बनाया गया है। इसी क्रम में मधुवन कुमार सिंह (आईपीएस–एसपीएस), जो पुलिस अधीक्षकध्पुलिस अधीक्षक नगर आजमगढ़ के पद पर तैनात थे, अब पुलिस अधीक्षक जनपद हापुड़ की जिम्मेदारी संभालेंगे। आजमगढ़ मंडल से जुड़े मऊ जनपद में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। पुलिस अधीक्षक मऊ कमलेश बहादुर (आईपीएस–एसपीएस–2017) का स्थानांतरण करते हुए उन्हें पुलिस अधीक्षक, लोक शिकायत, मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उत्तर प्रदेश, लखनऊ भेजा गया है। उनके स्थान पर 04वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज के सेनानायक सर्वेश कुमार मिश्रा (आईपीएस–एसपीएस–2018) को पुलिस अधीक्षक मऊ बनाया गया है। इसी तरह पुलिस अधीक्षक गाजीपुर ईरज राजा को पुलिस अधीक्षक बलिया बनाया गया है, जबकि पुलिस अधीक्षक जालौन विनय कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक गाजीपुर की जिम्मेदारी दी गई है। बलिया के वर्तमान पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह को पुलिस अधीक्षक बस्ती बनाया गया है और बस्ती के पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह को पुलिस अधीक्षक जौनपुर बनाया गया है।जौनपुर के पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह को स्थानांतरित कर पुलिस अधीक्षक, पीएसी मुख्यालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ भेजा गया है।स्थानांतरण सूची में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में भी बदलाव किया गया है। ए. सतीश गणेश (आईपीएस–आरआर–1996) को अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात एवं सड़क सुरक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पद पर ही रखा गया है और उनके पास से अपर पुलिस महानिदेशक अपराध का अतिरिक्त प्रभार हटा दिया गया है।वहीं भगवान एस. श्रीवास्तव (आईपीएस–आरआर–1998), जो अपर पुलिस महानिदेशक तकनीकी सेवाएं के पद पर हैं,।

लेखपाल से गाली-गलौज और सरकारी अभिलेख छीनने का आरोप, धमकी देने की शिकायत

आजमगढ़ (आर एन एस)तहसील फूलपुर क्षेत्र के सुल्तानपुर लेखपाल मंडल में तैनात लेखपाल धर्मेन्द्र कुमार गौतम ने सरकारी कार्य के दौरान कथित रूप से गाली–गलौज, सरकारी अभिलेख छीनने, धमकी देने और मारपीट का प्रयास किए जाने की शिकायत उपजिलाधिकारी फूलपुर से की है।शिकायत के अनुसार, लेखपाल धर्मेन्द्र कुमार गौतम 4 अक्टूबर 2026 को आईजीआरएस संख्या 92619100052189 के निस्तारण के लिए ग्राम सुल्तानपुर में स्थलीय एवं अभिलेखीय जांच करने पहुंचे थे। आरोप है कि जांच के दौरान गाटा संख्या 408ध0.081 हेक्टेयर, जो घेरा (जंगल) खाता की भूमि बताई गई है, वहां गिरे हुए नीम और महुआ के पेड़ों की लकड़ी को सूर्यभान पुत्र बाबूलाल तथा परमीला पत्नी सूर्यभान द्वारा काटकर ले जाया जा रहा था। लेखपाल के अनुसार उन्होंने मौके पर पहुंचकर लकड़ी ले जाने से रोक दिया।शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद सूर्यभान द्वारा आबादी की भूमि से संबंधित गाटा संख्या 398ध0.040 हेक्टेयर का सीमांकन तत्काल कराने का दबाव बनाया गया। लेखपाल ने आरोप लगाया कि वैधानिक प्रक्रिया के तहत सीमांकन कराने की बात बताने पर संबंधित लोग आक्रोशित हो गए।आरोप है कि इसी दौरान सूर्यभान, परमीला, अर्पित पुत्र सूर्यभान और मनोज यादव पुत्र स्व. हरिराम ने लेखपाल के हाथ से सरकारी अभिलेख, जिसमें नक्शा, प्रार्थना पत्र एवं अन्य कागजात शामिल थे, छीन लिए तथा उनके साथ गाली–गलौज की।

पोषण माह के समापन पर नौ गर्भवती महिलाओं की हुई गोद भराई

घोसी, मऊ। सेवा संकल्प अभियान के तहत बुधवार को स्थानीय ब्लाक संसाधन केंद्र घोसी के सभागार में नवें राष्ट्रीय पोषण माह के समापन की पूर्व संध्या पर आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों के कार्यक्रम में नौ गर्भवती महिलाओं की गोद भराई तथा चार बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया। मुख्य अतिथि पूर्व क्षेत्रीय महामंत्री सुनील कुमार गुप्त ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है। इस संकल्प को पूरा करने में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 10 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

कछार पुरवा में सेवा का संगम : 328 ग्रामीणों की निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच, 80 को मिले चश्मे

–निःशुल्क चश्मा पाकर खिले ग्रामीणों के चेहरे, बोले– अब साफ दिखाई देगा

चित्रकूट। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत पीएम श्री कंपोजिट विद्यालय, कछार पुरवा में विकास पथ सेवा संस्थान के सौजन्य से निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 328 ग्रामीणों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिला। इनमें 80 लोगों को श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय की ओर से निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। चश्मा पाकर ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी देखने को मिली।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक, बांदा–चित्रकूट के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल रहे। विशिष्ट अतिथियों में अधिशासी अधिकारी राज किशोर प्रसाद, व्यापार मंडल के जिला मंत्री ऋषि आर्य तथा खंड शिक्षा अधिकारी अतुल दत्त तिवारी शामिल रहे। अतिथियों ने माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं पूजन कर शिविर का शुभारंभ किया। शिविर में लगभग 150 लोगों का नेत्र परीक्षण किया गया। जरूरतमंदों को निःशुल्क आई ड्रॉप एवं दवाएँ उपलब्ध कराई गईं। वहीं, हंस फाउंडेशन की ओर से स्वास्थ्य परीक्षण की व्यवस्था की गई। डॉ. रवीना चंदेल एवं एसपीओ अरबाब हुसैन सहित स्वास्थ्य टीम ने ग्रामीणों की जाँच की। आधुनिक उपकरणों से युक्त मोबाइल पैथोलॉजी के माध्यम से विभिन्न जाँचें की गईं तथा मरीजों को निःशुल्क दवाएँ वितरित की गईं। आईटी राज पटेल, फार्मासिस्ट मयंक मिश्रा और धीरेंद्र सैनी ने भी शिविर में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।मुख्य अतिथि पंकज अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में विभिन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कछार पुरवा में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध कराना सराहनीय पहल है। उन्होंने विद्यालय की प्रधानाध्यापिका एवं समस्त स्टाफ के प्रयासों की प्रशंसा की। खंड शिक्षा अधिकारी अतुल दत्त तिवारी ने कहा कि विद्यालयों में इस तरह के आयोजन होने से विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को एक ही स्थान पर विभिन्न सुविधाओं का लाभ मिलता है। विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक डॉ. प्रभाकर सिंह ने कहा कि संस्थान शिक्षा, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के क्षेत्र में निरंतर सेवा गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक कर रहा है। कछार पुरवा में आयोजित इस शिविर में 328 ग्रामीणों को लाभ मिला। उन्होंने आयोजन में सहयोग के लिए हंस फाउंडेशन, श्री सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय एवं उनकी पूरी टीम के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर अतिथियों ने जरूरतमंद ग्रामीणों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए। चश्मा मिलने पर लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें देखने में सुविधा होगी। अतिथियों का स्वागत छात्राओं पूजा एवं पूर्णिमा ने किया तथा उन्हें स्मृति चिह्न भेंट किए गए। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रचना यादव ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के समापन पर हरिशंकरी पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया गया। शिविर के सफल आयोजन में सभासद शंकर प्रसाद यादव, ग्राम प्रधान प्रेम नारायण सिंह, कमला देवी, विकास पथ सेवा संस्थान के निदेशक डॉ. प्रभाकर सिंह, पूर्व प्रधान बुदुल सिंह, प्रधानाध्यापिका रचना यादव, सुशील पांडेय, रंजना चंदेल, ममता सिंह, सरला सिंह, विद्यासागर सिंह, दीपा, प्रियंका द्विवेदी, गीतांजलि, संजू यादव, मंजू तिवारी, नीलम, सविता, उषा, मुन्नीबाई एवं रज्जीबाई सहित अन्य सहयोगियों का सराहनीय योगदान रहा।

विश्व दृष्टि दिवस पर डीएम ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

चित्रकूट। विश्व .ष्टि दिवस के अवसर पर डीएम पुलकित गर्ग ने संयुक्त जिला चिकित्सालय सोनेपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर चिकित्सालय में आयोजित विशेष नेत्र परीक्षण एवं उपचार शिविर का जायजा लेते हुए उन्होंने उपलब्ध सुविधाओं तथा नेत्र रोगियों को प्रदान की जा रही सेवाओं की जानकारी ली। डीएम ने बताया कि डीएमएफ मद से सी आर्म्स लोरो स्कोप एक्सरे मशीन 1992400, स्लिट लैंप 294400, अपथाल्मिक टोनों मीटर 474100 जिला अस्पताल में लगाई गई है। जिसका निरीक्षण किया गया एवं स्वयं चेक भी कराया'। कहा कि आंखें मानव शरीर का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग हैं। लोगों को आंखों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने तथा समय से नेत्र परीक्षण एवं उपचार के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से विश्व .ष्टि दिवस मनाया जाता है। इसी क्रम में संयुक्त जिला चिकित्सालय में विशेष नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। उन्होंने जनपदवासियों से अपील किया कि वे अपने निकटतम स्वास्थ्य केंद्र अथवा जिला चिकित्सालय में नियमित रूप से नेत्र परीक्षण अवश्य कराएं तथा किसी भी प्रकार की नेत्र संबंधी समस्या होने पर समय से चिकित्सकीय परामर्श लें। डीएम ने चिकित्सालय में उपलब्ध नेत्र संबंधी आधुनिक उपकरणों एवं सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए कहा कि संयुक्त जिला चिकित्सालय में नेत्र परीक्षण एवं सर्जरी के लिए आवश्यक बेहतर उपकरण उपलब्ध हैं। उन्होंने बताया कि चिकित्सालय में अनुभवी एवं विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम द्वारा नेत्र परीक्षण, चश्मे के लिए .ष्टि परीक्षण तथा सर्जरी की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान 13 मरीजों की मोतियाबिंद की निःशुल्क सर्जरी की जा रही है।

पिकप की टक्कर से युवक की मौत, दो घायल

चित्रकूट। मैहर देवी दर्शन के लिए पैदल जा रहे तीन श्रद्धालुओं को गुरुवार तड़के करीब पांच बजे तेज रतार पिकअप ने टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही महेश और धनपत उछलकर सड़क से दूर जा गिरे। जबकि ललित यादव की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों घायलों को मझगवां अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना मध्य प्रदेश जिला सतना थाना मझगवां के मिचकुरिन घाटी की है।

नारायणपुर गांव निवासी श्याम यादव ने बताया कि गांव के युवक हर साल नवरात्र में पैदल मैहर देवी दर्शन के लिए जाते हैं। इस बार भी ललित यादव (20), महेश (21), धनपत (19) बुधवार सुबह करीब सात बजे गांव से पैदल निकले थे। सभी गुप्त गोदावरी होते हुए मैहर जा रहे थे। गुरुवार तड़के उन्होंने आगे की यात्रा शुरू की। मिचकुरिन घाटी के पास चित्रकूट की ओर से सतना जा रही तेज रतार पिकअप ने तीनों को टक्कर मार दी। महेश और धनपत टक्कर लगने से छिटककर दूर जा गिरे। वहीं ललित पर वाहन का पहिया उसके ऊपर से निकलने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ललित इंटर का छात्र था और दो बहनों के बीच परिवार का इकलौता बेटा था। पिता राजकरन दुकान पर नौकरी कर परिवार का भरण–पोषण करते हैं।

10 अक्टूबर तक पहाड़ी व बरद्वारा में शुरू कराएं पेयजल आपूर्ति : एडीएम

चित्रकूट। जल जीवन मिशन के अंतर्गत निर्माणाधीन चांदीबांगर ग्राम समूह पेयजल योजना के अंतर्गत अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे स्वप्निल यादव व अधिशासी अभियंता उत्तर प्रदेश जल निगम ग्रामीण ने ग्राम पहाड़ी एवं बरद्वारा का स्थलीय निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि ग्राम पहाड़ी में फर्म एल एंड टी द्वारा पाइप लाइन की टेस्टिंग एवं कमीशनिंग का कार्य प्रगति पर है। एक अक्टूबर से दस नवम्बर तक संचालित रोड पुर्नस्थापना अभियान के अंतर्गत ग्राम बरद्वारा में रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्रगति पर है। फर्म एल एंड टी के कंस्ट्रक्शन मैनेजर विपिन पाण्डेय को निर्देशित किया गया कि दोनों ग्रामों में दस अक्टूबर तक तक समस्त अवशेष कार्य पूर्ण करते हुए पेयजल आपूर्ति प्रारंभ कराना सुनिश्चित करें। साथ ही योजनांतर्गत समस्त ग्रामों में पाइप लाइन बिछाने के दौरान क्षतिग्रस्त, अवशेष सड़कों का मानक के अनुरूप रोड रेस्टोरेशन कार्य प्रत्येक दशा में दस नवम्बर तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

टीला धंसने से चाची-भतीजी दबे, अस्पताल में भर्ती

चित्रकूट। पहाड़ी थाना क्षेत्र के कहेटा माफी गांव में गुरुवार सुबह करीब आठ बजे मिट्टी लेने गईं चाची–भतीजी टीला धंसने से दब गईं। चीख सुनकर ग्रामीणों ने मिट्टी हटाकर दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला। गांव के पूर्व प्रधान रामकिशोर की पुत्री व छोटे भाई की पत्नी मंदाकिनी नदी पुल के पास बनी गहरी खदान में घर की मरम्मत के लिए मिट्टी खोद रही थीं। महिलाओं ने काफी गहराई तक सेंध बना रखी थी। उसी के अंदर बैठकर खुदाई के दौरान ऊपर का टीला भरभरा कर गिर गया। ग्रामीणों ने हाथों व फावड़ों से बचाव कार्य कर दोनों को बाहर निकाला। दोनों को अंदरूनी चोटें आई हैं, सीएचसी पहाड़ी में उपचार चल रहा है। थाना प्रभारी निशिकांत राय ने बताया कि बारिश से कच्चे मकानों को नुकसान के बाद महिलाएं त्योहार से पहले मरम्मत के लिए मिट्टी लेने जाती हैं।

महाबुलिया विसर्जन को गए तीन बच्चे नदी में डूबे, दो बचाए गए, एक लापता

चित्रकूट। पितृपक्ष में महाबुलिया विसर्जन के लिए बुधवार शाम ओरा गांव के आठ बच्चे बागे नदी के नाव घाट पहुंचे। विसर्जन के दौरान तीन बच्चे पानी में फिसलकर गहराई में चले गए और डूबने लगे। एक ग्रामीण ने नदी में उतरकर दो बच्चों को बचा लिया। जबकि नौ वर्षीय शिवम का पता नहीं चल सका। बताया गया कि अनिल मिश्रा का इकलौता बेटा शिवम, उसकी बहन और पड़ोसी प्राची विसर्जन के दौरान नदी में डूबने लगे। अन्य बच्चों की मदद की गुहार सुनकर पास में मौजूद गांव के लेखपाल वर्मा और ननकौना नदी में कूदे। उन्होंने प्राची और बेटू को सकुशल बचा लिया, लेकिन शिवम की तलाश जारी है। परिजन और ग्रामीण नदी में तलाश कर रहे हैं। प्रभारी निरीक्षक निशिकांत राय ने बताया कि स्थानीय गोताखोरों की मदद से शिवम की तलाश हो रही है। एसडीआरएफ टीम को बुलाया गया है। ग्राम प्रधान फूलचंद्र राजपूत ने बताया कि एसडीएम और तहसीलदार से बात की गई है।

वाहन की टक्कर से बाइक में बैठी मां की मौत, बेटा घायल

चित्रकूट। सदर कोतवाली क्षेत्र के पहाड़ी मार्ग पर चकजाफर गांव के पास बुधवार की शाम करीब सात बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार मां–बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान मां की मौत हो गई। सरधुवा थाना क्षेत्र के अर्की गांव निवासी भूपेंद्र उर्फ रज्जू (40) अपनी मां इंद्रवती देवी (72) को बाइक से कर्वी से गांव लेकर जा रहा था। जैसे ही वह चकजाफर के पास पीछे से तेज रतार वाहन ने बाइक पर टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर घायल हो गए। ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस बुलाकर घायलों को जिला अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने इंद्रवती देवी को मृत घोषित कर दिया। जबकि भूपेंद्र का उपचार चल रहा है। उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। रही है।

शारदीय नवरात्रि मेला विंध्याचल में विधिक सेवा शिविर का आयोजन

मीरजापुर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के दिशा–निर्देशन में जनपद न्यायाधीश अनुपम कुमार के आदेशानुसार शारदीय नवरात्रि मेला विंध्याचल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मीरजापुर के तत्वावधान में 10 अक्टूबर से से 19 अक्टूबर तक विंध्याचल पुरानी वीआईपी रोड पर स्थित नगर पालिका परिषद नलकूप, जलकल परिसर में विधिक सेवा शिविर का आयोजन किया गया है। जनपद न्यायाधीश अनुपम कुमार ने बताया कि विंध्याचल शारदीय नवरात्रि मेले में दर्शन–पूजन हेतु जनपद एवं अन्य जनपदों से पधारे दर्शनार्थियों को नालसा एवं सालसा की विभिन्न विधिक योजनाओं से सन्दर्भित पैम्फलेट के माध्यम से जानकारी दी जायेगी और विधिक ज्ञान से जागरूक किये जाने के लिए पराविधिक स्वयं सेवकों (अधिकार मित्र) को विंध्याचल, काली खोह, अष्टभुजा एवं मां तारा मन्दिर परिक्षेत्र, रेलवे स्टेशन, रोडवेज बस स्टेशनों पर तैनात किये गये है। श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की विधिक असुविधा, विधिक समस्याएं होती हैं, तो वह पराविधिक स्वयं सेवकों (अधिकार मित्र) से सम्पर्क स्थापित कर अपनी समस्याओं को दर्ज करा सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि पराविधिक स्वयं सेवकों (अधिकार मित्र) से सम्पर्क नहीं होता है तो वह पुरानी वीआईपी रोड पर विधिक सेवा शिविर कैम्प लगाया गया है, उसमें अपनी समस्याओं को दर्ज करा सकते हैं और उसका समाधान विधिक सेवा शिविर कैम्प में उपस्थित न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण तथा पराविधिक स्वयं सेवकों (अधिकार मित्र) द्वारा तत्काल सहायता प्रदान कराया जायेगा। विधिक सेवा शिविर पूरे नवरात्रि मेला में अनवरत 24 घंटे चलता रहेगा और पीड़ित दर्शनार्थियों की समस्याओं को सुन कर त्वरित समाधान कराया जायेगा। श्रद्धालुओं को विधिक सहायता प्रदान करने के लिए न्यायिक अधिकारीगण, तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों की ड्यूटी अनवरत लगाई गई है।प्रधान न्यायाधीश, परिवार न्यायालय संजय कुमार शुक्ला ने बताया कि नवरात्रि मेले में पधारे श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की विधिक असुविधा होती है तो वह उसके समाधान के लिए तुरन्त विधिक सहायता हेतु विधिक सेवा शिविर पण्डाल में उपस्थित हो, उनके समस्याओं का त्वरित निदान कराया जायेगा।

बुखार से बालक व अधेड़ की मौत

चित्रकूट। मुख्यालय के तरौंहा निवासी मिनाज रईस ने बताया कि उसका छह साल का पुत्र उबेश कई दिनों से बुखार से ग्रसित था। गुरुवार को ज्यादा हालत बिगड़ने पर जिला अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। नई दुनिया बनकट गांव निवासी अनिल कुमार ने बताया कि उसके पिता फूलचंद्र (48) को तीन दिन से बुखार था। इसके बाद बुधवार को उन्हें श्वास लेने में दिक्कत होने लगी। गुरुवार की सुबह उन्हें लेकर जिला अस्पताल पहुंचे लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

एम्बुलेंस की तत्परता से महिला व युवती की बची जान

चित्रकूट। रैपुरा गांव में बुधवार सुबह पूजा देवी (35) पथरी व पैर के असहनीय दर्द से तड़प रही थीं। गरीब परिवार के पास अस्पताल जाने का साधन नहीं था। पति प्रदीप ने 108 पर कॉल किया। कुछ ही मिनट में एंबुलेंस गांव पहुंची। ईएमटी रामाकरण व पायलट रामनाथ ने महिला को सीएचसी रामनगर पहुंचाया। डाक्टर ने जिला अस्पताल रेफर किया तो दूसरी एंबुलेंस यूपी 32 एफजी 0875 ने ईआरसीपी डाक्टर की सलाह पर तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया। समय पर उपचार मिलने से महिला को राहत मिली। मऊ ब्लाक के खजुरिया खुर्द गांव में बुधवार को फूल कुमारी (20) पुत्री बबुआ ने भूलवश खेत में छिड़काव वाली दवा पी ली। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने 108 को सूचना दी।एंबुलेंस ने युवती को सीएचसी मऊ पहुंचाया। हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया। दूसरी एंबुलेंस यूपी 32 एफजी 0873 के ईएमटी पवन व पायलट देवा ने आक्सीजन सपोर्ट पर ईआरसीपी डाक्टर के निर्देश पर उपचार देते हुए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। समय पर पहुंचने से युवती की जान बच गई।

एसपी ने पितृविसर्जनी अमावस्या मेला प्रबंध का किया निरीक्षण

चित्रकूट। आगामी पितृविसर्जनी अमावस्या मेला के .ष्टिगत श्रद्धालुओं की भारी भीड़ एवं उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा मेला क्षेत्र रामघाट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं के आवागमन के लिए निर्धारित मार्गों, भीड़ नियंत्रण, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, यातायात संचालन एवं सुरक्षा ड्यूटी में लगे पुलिस बल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों, कर्मचारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।एसपी ने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं को नदी के गहरे पानी में जाने से रोका जाए तथा घाटों पर लगातार निगरानी रखें। नौका विहार के दौरान सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन सुनिश्चित कराया जाए। नाविकों को निर्देशित किया गया कि किसी भी श्रद्धालु को नाव में बैठाने से पूर्व लाइफ जैकेट अवश्य पहनाएं तथा नाव में निर्धारित क्षमता से अधिक श्रद्धालुओं को न बैठाया जाए। इसके अतिरिक्त दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं से भी वार्ता किया गया तथा घाटों पर साफ सफाई, प्रकाश, विद्युत व्यवस्था, बैरिकेडिंग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने तथा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। यातायात व्यवस्था का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया गया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा एवं सुगम आवागमन के लिए पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी निगरानी एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

एएचटीयू की मासिक गोष्ठी में एसपी ने बताए नियम कानून

चित्रकूट। राघव प्रेक्षागार पुलिस कार्यालय सोनेपुर में एसपी अरुण कुमार सिंह की अध्यक्षता में क्षेत्राधिकारी कार्यालय, यातायात करिश्मा गुप्ता की उपस्थिति में विशेष किशोर पुलिस इकाई, बाल कल्याण समिति, एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट की मासिक गोष्ठी हुई। गोष्ठी में समस्त थानों के पुलिस बाल कल्याण अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि विधि का उल्लंघन्न करने वाले बालक तथा पीड़ित की जन्मतिथि का सत्यापन आधार कार्ड से न करके विद्यालय के अंक पत्र, जन्म प्रमाण पत्र, नगर निकाय, नगर पालिका या मेडिकल परीक्षण कराकर किया जाए। बाल कल्याण इकाई को बताया गया कि यदि कोई नाबालिग पीड़ित, पीड़िता है और उसके साथ कोई वयस्क व्यक्ति नहीं है तो ऐसी स्थिति में बाल कल्याण इकाई के सदस्य द्वारा स्वयं वादी बनकर अभियोग पंजी.त कराया गया। पीड़िता का तत्काल समयसीम के अन्दर विधि के अनुरुप मेडिकल परीक्षण कराया जाये तथा आर्थित रुप से कमजोर पीड़िताओं को शासन की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभ दिलायें। इकाई के कार्यों एवं एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। बाल विवाह पर रोक लगाया जाये तथा जनपदीय गठित टीम द्वारा भ्रमण कर बालकों से कराये जा रहे श्रम को प्रतिबंधित कराया जाये। जिनके द्वारा श्रम कराया जा रहा है उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही करायी जाये।जिला प्रोबेसन अधिकारी ने बताया कि विधि का उल्लंघन्न करने वाले बालकों से अपराधी के तरह व्यवहार न करें। सभी बाल कल्याण अधिकारी एवं सदस्यों को बताया गया कि गुमशुदा बच्चों के बरामद होने के बाद उन्हे इकाई के सुपुर्द करें। इकाई बच्चे के परिजनों की पहचान कर उनके सुपुर्द करेगी। यदि कोई नाबालिग आत्महत्या का प्रयास करता है तो पुलिस ऐसे बच्चो को इकाई के सुपुर्द करें एवं काउंसलिंग के पश्चात जानकारी करें कि उनके द्वारा ऐसा प्रयास क्यों किया गया है। इसके बाद ही परिजनों के सुपुर्द किया जाये। गोष्ठी में सीएमओ डा महेन्द्र कुमार त्रिपाठी, बाल संरक्षण अधिकारी सौरभ सिंह, महिला एवं बाल सुरक्षा संगठन प्रभारी जयप्रकाश उपाध्याय व जनपद के बाल संरक्षण से सम्बन्धित अन्य विभागों के सदस्य व अधिकारी, कर्मचारी तथा समस्त थानों के बाल कल्याण अधिकारी उपस्थित रहे।

शिवरामपुर में 14 महिला नसबंदी आपरेशन किए गए

चित्रकूट। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर में गुरुवार को डा दयाशंकर द्वारा 14 महिला नसबंदी आपरेशन किए गए। परिवार कल्याण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा महेंद्र जतारया ने बताया कि इस वर्ष जनपद चित्रकूट का महिला नसबंदी का वार्षिक लक्ष्य 3702 है तथा पुरुष नसबंदी का लक्ष्य 48 है। समस्त ब्लाक चिकित्साधीक्षकों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, एएनएम, आशा संगिनी, आशा कार्यकत्रियों को निर्देशित किया गया है कि वार्षिक लक्ष्य समय से पूर्ण किया जाए। इस हेतु महिला नसबंदी पर दो हजारएवं पुरूष नसबंदी पर तीन हजार की धनराशि क्षतिपूर्ति के रूप में प्रदान की जाती है।

स्मृति चिन्ह देतीं बीएसए रंजना शुक्ला।

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय, में अपर निदेशक बेसिक शिक्षा संतोष कुमार देव पांडेय द्वारा कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में संचालित विभिन्न कार्यों, अभिलेखों एवं व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। एडी बेसिक द्वारा कार्यालयीय कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आवश्यक जानकारी ली गई तथा कार्यों को शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित किए जाने हेतु आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए गए। इस अवसर पर बीएसए रंजना शुक्ला समेत कार्यालय के समस्त संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चुनाव आयुक्तज्ञानेश कुमार एवं NDA गठबंधन के विरोध में PDA की हुंकार

मीरजापुर। जिले में गुरुवार को कलेक्ट्रेट का दृश्य गहमागहमी भरा रहा। पुलिस छावनी में तब्दील कलेक्ट्रेट परिसर में सपा के यंग टीम ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंक दिया। देश में वोट चोरी तथा सीईसी को हटाने की मांग को लेकर गुरुवार को जिला मुख्यालय पर सपा–कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर विरोध जताया। पुतला दहन के दौरान पुलिस और सपा कार्यकर्ताओं में जमकर नुराकुश्ती हुई जिससे गहमागहमी का माहौल उत्पन्न हो गया था। बता दें कि गुरुवार को सुबह से ही कलेक्ट्रेट परिसर से लगाए तहसील तिराहा तक पुलिस बल की तैनाती की गई थी। उधर इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां और नेता पूरे देश में जिला स्तर पर वोट चोरी और सीईसी को हटाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करने के लिए भी पूरी तरह से कमर कसे हुए थे। कांग्रेस नेताओं ने जहां सबसे पहले कलेक्ट्रेट पहुंचकर डेरा डाल दिया था वहीं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता ष्वोट बचाओ देश बचाओष पैदल मार्च निकालकर तहसील चौराहा, पुलिस लाइंस, रमईपट्टी होते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के समक्ष पहुंचें थे। इस दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने हाथों में तख्तियां लेकर

श्वोट चोर कहां मिलेंगे, बीजेपी के दफ्तर मेंश इत्यादि नारे लगाते हुए जिलाधिकारी कार्यालय के समझ जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान समाजवादी पार्टी के कार्यवाह जिलाध्यक्ष अशोक यादव ने कहा देश के मुख्य चुनाव आयुक्त को बीजेपी सरकार बचा रही है। वोट चोरी का उन्हें इनाम देते हुए उनका संरक्षण किया जा रहा है। इस दौरान पूर्व मंत्री, पूर्व कैलाश चौरसिया, पूर्व सांसद बालकुमार पटेल, पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री गुलाब चंद यादव उर्फ मुन्नी यादव, आकाश यादव, श्यामअचल यादव, आदर्श यादव, लल्लू शुक्ला, इत्यादि सहित सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहें हैं।

इसी कड़ी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट में जोरदार प्रदर्शन करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए केन्द्र सरकार पर तानाशाही बरताव करने और विपक्ष की आवाज को कुचलने का आरोप लगाया। इस दौरान पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी, जिलाध्यक्ष शिवकुमार सिंह पटेल, नगर अध्यक्ष भगवान दत्त पाठक, मनीष दुबे, मुन्ना लाल मौर्या, छोटे खान सहित काफी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी मौजूद रहे हैं।

पूर्व माध्यमिक विद्यालय रेही में बाल संसद का गठन

'नितिन कुमार बने प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री आदर्श को चुना गया

लालगंज, मीरजापुर। विकास खंड लालगंज क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय रेही में गुरुवार को प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार मौर्या के नेतृत्व में बाल संसद का गठन किया गया। इसी के साथ विद्यालय में ईको क्लब और मीना मंच की भी शुरुआत की गई। चुनाव प्रभारी राजेश कुमार ने सभी पदाधिकारियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।छात्र–छात्राओं के मतदान और पारदर्शी मतगणना के बाद बाल मंत्रीमंडल के सदस्यों की घोषणा की गई। बाल संसद में नितिन कुमार को प्रधानमंत्री आदर्श को उप प्रधानमंत्री चुना गया। सृष्टि मौर्य को सांस्कृतिक मंत्री प्रेमसागर को पर्यावरण मंत्री अमन कुमार को व्यवस्थापक मंत्री सक्षम तिवारी को खोया पाया मंत्री शुभम तिवारी को पुस्तकालय मंत्री देव कुमार को खेल मंत्री प्रिया को स्वच्छता मंत्री चुना गया। यह पहल छात्रों को लोकतांत्रिक मूल्यों से परिचित कराने और उन्हें भविष्य के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार मौर्या ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत करना और उनमें नेतृत्व क्षमता विकसित करना है। साथ ही उन्होंने छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन किशून लाल विश्वकर्मा के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक सुरेश कुमार मौर्या, अमरेश चन्द तिवारी, किशून लाल विश्वकर्मा, राजेश कुमार समेत समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहे।

वायरल बुखार का कहर मरीजों की संख्या बढ़ी

लालगंज, मीरजापुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में वायरल बुखार प्रीत मरीजों की संख्या में भारी यफ देखने को मिला गुरुवार को 700 मरीज ओपीडी में पहुंचे जिसमें सर्वाधिक बुखार और पेट संबंधित रोग से ग्रसित है। मौके पर चिकित्सक डॉक्टर संजय सिंह ने बताया कि सितंबर माह से ही वायरस का प्रकोप चल रहा है अब मौसम के साथ स्थिति धीरे–धीरे सामान्य हो रही है।

गलत इंजेक्शन से मरीज की हुई मौत, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर भेजा पोस्टमार्टम के लिए

लालगंज, मीरजापुर। लहंगपुर पुलिस चौकी अंतर्गत तेंदुआ कला गांव निवासी 41 वर्षीय उमाशंकर की तबीयत खराब चल रही थी। बुधवार की रात में ज्यादा खराब होने पर परिजन गांव में स्थित एक झोला छाप डॉक्टर के पास लेकर पहुंचे जहां गलत इंजेक्शन के कारण युवक की हालत और बिगड़ते देख चिकित्सक द्वारा मीरजापुर के लिए रेफर कर दिया गया जाते समय रास्ते युवक की मौत हो गई। शव को लहंगपुर पुलिस चौकी पर लेकर पहुंचे स्वजनों ने झोला छाप डाक्टर के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग करते हुए तहरीर दिया।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, शनिवार 10 अक्टूबर 2026
sheelshukla100@gmail.com

वर्ल्डकप 2027 में दक्षिण अफ्रीका के युवा खिलाड़ी दिखाएंगे कमाल, इमरान ताहिर ने जताया भरोसा

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्पिनर इमरान ताहिर ने टीम के युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि ।20 लीग, अनुभव और घरेलू परिस्थितियों का फायदा उठाकर दक्षिण अफ्रीका 2027 वनडे वर्ल्ड कप में बेहद मजबूत टीम बनकर उभरेगी। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व स्पिनर इमरान ताहिर ने टीम के टैलेंटेड युवा खिलाड़ियों और हालिया प्रदर्शन की तारीफ की, जिसमें पिछले साल वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप में जीत और वनडे में सफलता शामिल है। चल रही श्वर्ल्ड चौंपियनशिप ऑफ लेजेंड्सश ँब्स) के दौरान – जिसमें वह श्साउथ अफ्रीका चौंपियंसश की ओर से खेल रहे हैं – ताहिर ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि आने वाले वर्ल्ड कप से पहले, अगले कुछ सालों में प्रोटियाज (दक्षिण अफ्रीकी टीम) एक मजबूत 50–ओवर वाली टीम बन सकती है।ताहिर ने ।छप् से कहा कि दक्षिण अफ्रीका के पास हमेशा से टैलेंटेड खिलाड़ी और युवा टैलेंट का एक मजबूत पूल रहा है। जिस तरह से उन्होंने घर से बाहर प्रदर्शन किया है – जिसमें वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप और वनडे सीरीज जीतना शामिल है – उससे पता चलता है कि वे बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि अगले एक–दो सालों में, वे एक बहुत मजबूत टीम के तौर पर विकसित होते रहेंगे, खासकर 50–ओवर के फॉर्मेट में, और आने वाले वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए आगे बढ़ेंगे।ताहिर ने टीम के प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों की तारीफ की कि उन्होंने पुराने स्टार खिलाड़ियों के जाने से खाली हुई जगह को सफलतापूर्वक भरा है। उनका मानना है कि खिलाड़ियों में एक मजबूत टीम बनने की क्षमता है और अगले एक–दो सालों में और ज़्यादा इंटरनेशनल अनुभव मिलने से टीम और भी मजबूत होगी। उन्होंने कहा कि वे सिर्फ प्रतिभाशाली ही नहीं, बल्कि बहुत ज़्यादा प्रतिभाशाली हैं। जिन खिलाड़ियों ने पहले साउथ अफ्रीका का प्रतिनिधित्व किया था, वे बड़े नाम थे, इसलिए उनकी जगह लेना हमेशा से एक चुनौती रही है। लेकिन मौजूदा खिलाड़ियों ने बहुत अच्छा काम किया है और उन कमियों को



अच्छे से पूरा किया है। उनमें निश्चित रूप से प्रतिभा हैय अब उन्हें बस थोड़े और अनुभव की जरूरत है क्योंकि यह अभी भी एक अपेक्षाकृत युवा ग्रुप है। उनमें से ज़्यादातर ने लगभग 50 से 70 वनडे या 20 से 30 ज्20 मैच खेले हैं, इसलिए उन्हें अच्छा अनुभव मिल रहा है। जैसे–जैसे वे अगले एक–दो साल में और ज़्यादा क्रिकेट खेलेंगे और अनुभव हासिल करेंगे, मुझे विश्वास है कि यह टीम बहुत मजबूत हो जाएगी। 2027 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2 अक्टूबर से 21 नवंबर 2027 तक आयोजित होने वाला है, जिसकी मेजबानी साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया संयुक्त रूप से करेंगे। ताहिर का यह भी मानना ध्छै कि अगले वनडे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका को बड़ा फायदा होगा, क्योंकि उनकी सफल घरेलू लीग ँ।20 और घरेलू हालात उनके पक्ष में काम करेंगे।

न्यूजीलैंड को दोहरा झटका टीम इण्डिया के खिलाफ टी 20 आई सीरीज से बाहर हुए दो धुरंधर

भारत के खिलाफ पांच मैचों की टी 20 आई सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। चोट के कारण मार्क चौपमैन और जैक फॉल्क्स इस घरेलू सीरीज से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को न्यूजीलैंड की 16–सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। भारत के खिलाफ ज्20I सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को बड़ा झटका लगा है। चोटों के कारण मार्क चौपमैन और जैक फॉल्क्स को आगामी पांच मैचों की सीरीज से बाहर होना पड़ा है। पिछले महीने यूरोपियन ज्20 लीग के दौरान चौपमैन की बाईं हैमस्ट्रिंग में चोट (टियर) लग गई थी, लेकिन अब वह भारत के खिलाफ होने वाले वनडे मैचों के लिए उपलब्ध होने की राह पर हैं। वहीं, फोल्क्स को हाल ही में कैंटरबरी मेन्स की ट्रेनिंग के दौरान दाहिने हिप फ्लेक्सर में चोट लग गई और उनके खेलने की वापसी का समय अभी तय नहीं हुआ है।चौपमैन और फोल्क्स के बाहर होने से ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर के लिए न्यूजीलैंड की 16–सदस्यीय टीम में जगह बनाने का रास्ता साफ हो गया है। यह सीरीज 22 अक्टूबर से शुरू होगी। छ्ब ने एक बयान में कहा कि चौपमैन और फोल्क्स की जगह ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन और तेज गेंदबाज ब्लेयर टिकनर को ज्20प् टीम में शामिल किया गया है। हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि वह क्लार्कसन और टिकनर को टीम में शामिल कर पाने के लिए शुक्रगुजार हैं।वाल्टर ने कहा कि मुझे मार्क और जैक के लिए बहुत दुख है और मैं उनके जल्द ठीक होने की कामना करता हूँ। हम खुशकिस्मत हैं कि हमें जोश और ब्लेयर की काबिलियत का फायदा मिल रहा है। मुझे पता है कि वे दोनों ही इस शानदार ज्20 सीरीज का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हैं। भारत के खिल्लाफ पाँच मैचों की घरेलू ज्20प् सीरीज 22



अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में शुरू होगी, और दूसरा मैच भी 24 अक्टूबर को उसी मैदान पर खेला जाएगा।इसके बाद दोनों टीमें 27 अक्टूबर को तीसरे ज्20प् के लिए वेलिंगटन जाएंगी, और फिर 30 अक्टूबर को ऑकलैंड और 1 नवंबर को हैमिल्टन में मैच खेले जाएंगे। ये दोनों टीमें इस साल की शुरुआत में प्ब्ब मेन्स ज्20 वर्ल्ड कप के फाइनल में आमने–सामने थीं, जिसमें भारत ने 96 रनों से शानदार जीत हासिल की थी। इसे भी पढ़ेंरू लैंअप श्रंपूंस मुंबई टीम के साथ सीख रहे हैं विकेटकीपिंग, कप्तान सिद्धेश लाड ने दी जानकारी न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीमरू मिचेल सैंटनर (कप्तान), फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, जोश क्लार्कसन, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, बेवन जैकब्स, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, टिम सीफर्ट, नाथन स्मिथ, ब्लेयर टिकनर।

पीबीकेएस के हेड कोच रिकी पोंटिंग की बढ़ी चुनौती, जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने छोड़ा पद

जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने पंजाब किंग्स के फास्ट–बॉलिंग और फील्डिंग कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। वहीं स्पिन–बॉलिंग कोच साईराज बहुतुले भी भारतीय पुरुष टीम के साथ नई भूमिका में चले गए हैं। इन इस्तीफों के बाद हेड कोच रिकी पोंटिंग के सामने अपने सपोर्ट स्टाफ में खाली पदों को भरने की नई चुनौती खड़ी हो गई है। जेम्स होप्स और ब्रैड हैडिन ने इंडियन प्रीमियर लीग (प्च्स्) में पंजाब किंग्स (PBK) के फास्ट–बॉलिंग कोच और फील्डिंग कोच के पद से इस्तीफा दे दिया है। होप्स के हाल ही में क्वींसलैंड और ब्रिस्बेन हीट के हेड कोच बनने और हैडिन के न्यू साउथ वेल्स का हेड कोच बनने के बाद उनके जाने की उम्मीद पहले से ही थी। इन इस्तीफों के बाद च्ठज्ञै के हेड कोच रिकी पोंटिंग के सामने अपने सपोर्ट स्टाफ में कई खाली पद भरने की चुनौती होगी। इन बदलावों के बीच, साईराज बहुतुले, जो प्च्स् 2026 में च्ठज्ञै के स्पिन–बॉलिंग कोच थे, अब भारतीय पुरुष टीम के साथ यही भूमिका निभाने के लिए चले गए हैं। पंजाब किंग्स के लिए IPL 2026 का सफर निराशाजनक रहा। कप्तान श्रेयस अय्यर और हेड कोच रिकी पोंटिंग की अगुवाई में टीम ने सीजन के शुरुआती आधे हिस्से में पॉइंट्स टेबल पर दबदबा बनाए रखा लगातार छह मैच जीते और लगभग एक महीने तक टॉप पर रहीकृलेकिन बाद के हिस्से में टीम का प्रदर्शन गिर गया। शुरुआत में छह जीत, एक नो रिजल्ट और लगातार सात मैचों में बिना हारे रहने के



रिकॉर्ड के साथ, PBKS 13 पॉइंट्स लेकर टेबल में सबसे ऊपर थी। हालाँकि, बल्ले और गेंद दोनों से खराब रणनीतिक फैसलों और कई कैच छोड़ने की वजह से टीम का फॉर्म खराब हो गया, जिससे लखनऊ सुपर जायंट्स (ैळ्ब्) के खिलाफ जीत दर्ज करने से पहले उन्हें लगातार छह हार का सामना करना पड़ा। आखिरकार, मिले 15 पॉइंट प्लेऑफ में जगह बनाने के लिए काफी नहीं थे। राजस्थान रॉयल्स (त्त) ने 16 पॉइंट के साथ मुंबई इंडियंस (ड्प्) को हराकर च्ठज्ञै को पीछे छोड़ दिया और प्लेऑफ की आखिरी जगह हासिल कर ली।

धनंजय डी सिल्वा ने छोड़ी श्रीलंका टेस्ट टीम की कप्तानी, बतौर खिलाड़ी खेलेंगे

धनंजय डी सिल्वा ने 18 मैचों के बाद श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने चयन समिति को पत्र लिखकर कहा कि कप्तानी की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को मिलनी चाहिए, हालांकि वह बतौर खिलाड़ी उपलब्ध रहेंगे। उनके कार्यकाल में श्रीलंका ने सात टेस्ट जीते, आठ हारे और तीन ड्रॉ रहे।इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (प्ब्) की वेबसाइट के अनुसार, धनंजय डी सिल्वा ने श्रीलंका की टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान पद से तुरंत प्रभाव से इस्तीफा दे दिया है। उन्हें जनवरी 2024 में इस पद पर नियुक्त किया गया था। श्रीलंका की सिलेक्शन कमिटी को लिखे एक पत्र में, डी सिल्वा ने कहा कि उनका मानना ध्छै कि लीडरशिप की जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को सौंपी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेरी सच्ची राय है कि यह जिम्मेदारी अगली पीढ़ी को मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी साफ किया कि वह श्रीलंका के लिए एक खिलाड़ी के तौर पर सिलेक्शन के लिए उपलब्ध रहेंगे। श्रीलंका क्रिकेट के ब्म्ब एशले डी सिल्वा ने टेस्ट टीम में उनके योगदान को माना और उनका आभार जताया। एशले डी सिल्वा ने कहा कि श्रीलंका क्रिकेट उनके बाकी करियर के लिए उन्हें शुभकामनाएं देता है और हमारी टेस्ट टीम को दी गई उनकी लीडरशिप के लिए उनका धन्यवाद करता है। कप्तान के तौर पर अपने कार्यकाल के दौरान, डी सिल्वा ने दिमुथ करुणारत्ने की जगह लेते हुए 18 टेस्ट मैचों में श्रीलंका की कप्तानी की। उनकी लीडरशिप में टीम ने सात मैच जीते, आठ हारे और तीन मैच ड्रॉ रहे। उन्होंने 36. 45 की औसत से 1,130 रन बनाए



और 44.44 की बॉलिंग औसत से नौ विकेट लिए।

डी सिल्वा का हटना श्रीलंकाई टेस्ट टीम के मिले–जुले नतीजों के बीच हुआ हैय टीम ने 2024 में वेस्टइंडीज और भारत के खिलाफ खेली गई दोनों सीरीज 1–0 से गंवा दी थीं। कप्तान के तौर पर उनका सबसे सफल साल 2024 रहा, जब श्रीलंका ने बांग्लादेश में दो टेस्ट मैचों की सीरीज 2–0 से जीती, इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज 2–1 से हारने के बावजूद श्द ओवलश् में जीत हासिल की और घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड को 2–0 से हराया

बीसीसीआई ने स्मृति मंधाना को बनाया भारतीय महिला टीम का नया कैपटन, नए उप-कप्तानों के नाम भी सामने आए

बीसीसीआई ने स्मृति मंधाना को भारतीय महिला क्रिकेट टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। जिम्बाब्वे के खिल्लाफ सीरीज के लिए घोषित टीमों में शैफाली वर्मा को टी20 और दीप्ति शर्मा को वनडे का उप–कप्तान बनाया गया है। पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर भी दोनों टीमों में बतौर खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) ने स्मृति मंधाना को महिला टीम का नया कप्तान घोषित किया है। इस घोषणा के बाद, उन्होंने ठब्ब्प् अधिकारियों, चयनकर्ताओं, टीम के साथियों और भारतीय क्रिकेट को आगे बढ़ाने में सालों तक योगदान देने वाली अपनी पूर्व कप्तान हरमनप्रीत का भी शुक्रिया अदा किया। ठब्ब् की ओर से जारी बयान में स्मृति ने कहा कि भारत की कप्तानी की जिम्मेदारी मिलना बहुत खास सम्मान है। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए हमेशा से बहुत मायने रखता है और अब टीम की कप्तानी करने का मौका मिलना मेरे लिए बहुत कीमती



है। मैं ठब्ब्, चयनकर्ताओं, अपनी टीम के साथियों और उन सभी लोगों की आभारी हूँ जिन्होंने इस सफर में मेरा साथ दिया और मुझ पर भरोसा जताया।उन्होंने आगे कहा कि मैं हरमनप्रीत और इतने सालों से कप्तान के तौर पर उनके योगदान की भी तारीफ करना चाहूँगी। उन्होंने बहुत लगन से टीम की कप्तानी की है और वे हमारी यात्रा का एक अहम हिस्सा रही हैं। मैं इस भूमिका के साथ आने वाली जिम्मेदारी को समझती हूँ और टीम के साथ काम करने, साथ–साथ सीखने और भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देने को लेकर उत्साहित हूँ। भारत ने जिम्बाब्वे के खिल्लाफ होने वाली सीरीज के लिए ज्20प् और व्क्प् टीम का भी ऐलान कर दिया है। टीम की घोषणा के दौरान यह पता चला कि शैफाली वर्मा खेल के सबसे छोटे फॉर्मेट में स्मृति की उप–कप्तान होंगी, जबकि दीप्ति शर्मा को व्क्प् में उप–कप्तान बनाया गया है। हरमनप्रीत, जो अब कप्तान नहीं हैं, दोनों व्हाइट–बॉल टीमों में जगह बनाने में कामयाब रही हैं। उनके प्रदर्शन पर कभी कोई शक नहीं था, लेकिन कप्तानी में हालिया बदलाव से यह साफ है कि भारत भविष्य की ओर देख रहा है, जिसमें स्मृति मुख्य केंद्र में हैं। भारत की टी20 टीमरू स्मृति मंधाना (कप्तान), शैफाली वर्मा (उप–कप्तान), निकी प्रसाद, हरमनप्रीत कौर, अनुष्का शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, प्रेमा रावत, श्री चरणी, नंदनी शर्मा, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, जिन्तिमणि कलिता, मिन्नू मणि भारत की वनडे टीमरू स्मृति मंधाना (कप्तान), शैफाली वर्मा, प्रतिका रावल, हरमनप्रीत कौर, हरलीन देयोल, तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा (उपकप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), वैष्णवी शर्मा, नंदनी शर्मा, श्री चरणी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे, रेणुका ठाकुर

टी 20 आई में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय कप्तान बने श्रेयस अय्यर,

भारतीय टी 20 आई कप्तान श्रेयस अय्यर ने वेस्ट इंडीज के खिलाफ लखनऊ में 43 गेंदों पर नाबाद 102 रन बनाकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय टी20 शतक जड़ा। अय्यर ने इस शानदार पारी का श्रेय सहायक कोच अभिषेक नायर के साथ हुई बातचीत को दिया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय रन–चेज में शतक जड़ने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं। अपने पहले ज्20प् शतक के बाद, भारतीय ज्20प् कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा कि उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और असिस्टेंट कोच अभिषेक नायर से बातचीत की थी, जिससे उन्हें यह यादगार शतक लगाने में मदद मिली। लखनऊ में अय्यर का जलवा जारी रहाय उन्होंने मंगलवार को वेस्ट इंडीज के खिल्लाफ 43 गेंदों में नाबाद 102 रन बनाकर भारत को 172 रन के लक्ष्य तक पहुँचाया। लखनऊ में अपने पिछले मैच में, अय्यर ने पंजाब किंग्स (च्ठज्ञै) के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (स्कै) के खिल्लाफ एक अहम मैच में अपना पहला इंडियन प्रीमियर लीग (प्च्स्) शतक लगाया था। लखनऊ



में खेले गए पाँच ज्20 मैचों में, अय्यर ने 200 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 335 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं और वे सिर्फ एक बार आउट हुए हैं। ठब्ब् के एक वीडियो में अय्यर ने कहा कि यह एक शानदार शुरुआत है, खासकर जापान (एशियाई खेलों) से लौटने के बाद। यह थोड़ा मुश्किल था, लेकिन मुझे कहना होगा कि इस लेवल पर खेलते समय हम यही चाहते हैं। हमें चुनौतियां पसंद हैं, और हम यह पक्का करना चाहते हैं कि हम अपने खेल में सबसे अच्छे हों और बहाने न बनाएं। टी 20आई कप्तान इस बात से भी खुश थे कि वह हर गेंद से पहले खुद को कैसे तैयार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उस दौरान (जापान में रहने के समय) अभिषेक नायर के साथ मेरी थोड़ी बातचीत हुई थी, जिसमें हमने क्रिकेट के बारे में बात की थी। मुझे लगता है कि उनके साथ हुई उस बातचीत ने आज के मेरे प्रदर्शन में बहुत मदद की। आज मेरी बैटिंग में जो मुख्य बात मैंने देखी, वह थी गेंद फेंके जाने से पहले खुद को तैयार करना, और यह तरीका बिल्कुल सही रहा। इसलिए, पारी की शुरुआत में वह मोमेंटम और रिदम बनाना जरूरी था, और यह बहुत अच्छा रहा। इस साल ज्20प् में कप्तान के तौर पर वापसी करते हुए, अय्यर ने 17 मैचों और पारियों में 39.30 की औसत और 149 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 511 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका बेस्ट स्कोर 102′ रहा है। इस साल जुलाई में इंग्लैंड के खिलाफ 80′ रन बनाने के बाद, यह अय्यर का 10 पारियों में पहला 50 से ज़्यादा का स्कोर थाय इस बीच उनका प्रदर्शन कुछ कम स्कोर और अच्छी शुरुआत के बावजूद बड़ी पारी में न बदल पाने की वजह से उतार–चढ़ाव वाला रहा। वह रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव के बाद ज्20प् में शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय कप्तान भी हैं। श्रेयस अकेले ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने रन–चेज (लक्ष्य का पीछा करते हुए) के दौरान ऐसा किया है।

सबका ध्यान सीजेपी प्रोटेस्ट पर था इधर 15 अक्टूबर से लगने वाले मर्चेंट डिस्काउंट चार्ज पर आ गई बड़ी खबर,

सरकार 2,000 रुपये से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू करने का फैसला जनवरी तक टालने पर विचार कर रही है। इससे पेमेंट कंपनियों को सिस्टम अपडेट करने और त्योहारी सीजन की दिक्कतों से बचने का समय मिलेगा। नए नियमों के तहत मर्चेंट्स पर शुल्क लगेगा, जबकि सामान्य पी2पी ट्रांसफर मुफ्त रहेंगे। सरकार यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस के जरिए बड़े पेमेंट पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट लागू करने को कुछ महीनों के लिए टालने पर विचार कर रही है। रॉयटर्स समाचार एजेंसी ने इंडस्ट्री के एक एग्जीक्यूटिव और बातचीत की जानकारी रखने वाले एक रेगुलेटरी अधिकारी के हवाले से बताया है कि 15 अक्टूबर से लागू होने वाली फीस अब जनवरी से लागू हो सकती है। मनीकंट्रोल ने सबसे पहले इसके लागू होने में देरी की खबर दी थी। हालांकि



प्रभासाक्षी इस जानकारी की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं करता है। नए MDR फ्रेमवर्क के तहत, 2,000 से ज़्यादा के UPI पेमेंट लेने वाले मर्चेंट्स को ट्रांजैक्शन वैल्यू का 0.4: फीस देनी होगी। पर्सन–टू–पर्सन ट्रांसफर पर यह चार्ज नहीं लगेगा, और कुछ खास कैटेगरी में पेमेंट करने पर रकम चाहे कितनी भी हो, छ5 की फ्लैट फीस लगेगी।रॉयटर्स को जानकारी देने वाले सूत्रों में से एक ने बताया कि नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने इसे शुरू करने में देरी करने के बारे में अभी तक कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। इस पर फैसला अगले कुछ दिनों में लिया जा सकता है। इसे लागू करने में देरी होने से पेमेंट कंपनियों को अपने सिस्टम अपडेट करने का मौका मिलेगा। रॉयटर्स ने अज्ञात सूत्रों के हवाले से बताया कि चूंकि अभी तय की गई तारीख भारत में त्योहारों के मौसम के दौरान पड़ रही है, इसलिए देरी से इससे जुड़ी दिक्कतें भी दूर हो जाएंगी। संसद ने 11 अगस्त को 'टैक्सेशन एंड अदर लॉज (अमेंडमेंट) बिल, 2026' को मंजूरी दी। इसके तहत श्पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007श की धारा 10। में बदलाव किया गया, ताकि सरकार को कुछ खास डिजिटल पेमेंट तरीकों पर चार्ज लगाने की इजाजत मिल सके। पिछले महीने नया फ्रेमवर्क लागू होने के बाद, 2,000 से ज़्यादा के न्च् पेमेंट पर दो तरह की फीस लगेगी। पहली फीस चार खास कैटेगरी रेलवे, टेलीकॉम सर्विस, इंश्योरेंस और फ्यूल में मर्चेंट को किए जाने वाले पेमेंट पर प्रति ट्रांजैक्शन 5 का फ्लैट MDR (मर्चेंट डिस्काउंट रेट) है।

पीसी ज्वैलर ने बैंकों के साथ कर्ज निपटान प्रक्रिया पूरी कर ली

पीसी ज्वैलर ने बैंकों के साथ कर्ज निपटान प्रक्रिया पूरी कर ली है और गिरवी संपत्तियां वापस पाकर कंपनी कर्ज–मुक्त हो गई है। इसके अलावा, मजबूत मांग के चलते दूसरी तिमाही में कंपनी के रेवेन्यू में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। इन सकारात्मक घटनाक्रमों के चलते हाल के कारोबारी सत्रों में कंपनी के शेयरों में भी तेजी दर्ज की गई है। दिल्ली की कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड के शेयरों पर निवेशकों की नजर रहने की संभावना है, क्योंकि कंपनी ने अपने बैंक कर्ज के समाधान के बारे में जानकारी दी है। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में कंपनी की रेवेन्यू में 28 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा के बाद से ही यह स्टॉक चर्चा में है। पिछले दो दिनों में इस स्टॉक में तेजी आई है और यह 7.5



प्रतिशत ऊपर चढ़ा है। पिछले ट्रेडिंग सेशन में यह शेयर 5.78 प्रतिशत बढ़कर 13.91 रुपये पर बंद हुआ। कंपनी का मार्केट कैप 13,549.85 करोड़ रुपये रहा। स्टॉक 13.46 रुपये पर खुला और दिन के दौरान इसने 14.38 रुपये का इंट्राडे हाई और 13.43 रुपये का इंट्राडे लो छुआ। कंपनी ने एक्सचेंज को दी जानकारी में बताया कि कर्ज देने वाले बैंकों के समूह (कंसोर्टियम) के पास गिरवी रखी सभी संपत्तियां, सिक्योरिटीज, पर्सनल और कॉर्पोरेट गारंटी और अंडरटेकिंग पूरी तरह से वापस मिल गई हैं। ओरिजिनल टाइटल डीड्स (स्वामित्व के मूल दस्तावेज) भी संबंधित मालिकों को लौटा दिए गए हैं। कंसोर्टियम के सभी 14 बैंकों से नो ऑब्जेक्शन, नो ड्यूज और रिलीज लेटर मिलने के बाद कंपनी की स्ट्रक्चरल डेट सेटलमेंट (कर्ज निपटान) प्रक्रिया पूरी हो गई है। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में रेवेन्यू में 28: की बढ़ोतरी कंपनी ने बताया कि ग्राहकों की अच्छी मांग के कारण इस वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका कंसोलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर 28: बढ़ा। रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, वित्त वर्ष 2026–27 की जुलाई–सितंबर अवधि के दौरान कंपनी का कंसोलिडेटेड रेवेन्यू सालाना आधार पर लगभग 28: बढ़ा। कंपनी ने कहा सितंबर तिमाही के दौरान, सभी बैंकों का बकाया कर्ज समय से पहले चुकाने के बाद कंपनी कर्ज–मुक्त हो गई। बैंक का कोई बकाया कर्ज न होने से कंपनी भविष्य में ब्याज लागत पर बचत करेगी,।

जेलर 2 को मिला यू/ए प्रमाणपत्र, दशहरा पर 15 अक्टूबर को रिलीज होगी रजनीकांत की फिल्म

सुपरस्टार रजनीकांत की बहुप्रतीक्षित फिल्म श्जेलर 2च्च ने प्रदर्शन से पहले सेंसर बोर्ड से जुड़ी सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली हैं। नेल्सन दिलीप कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म दशहरा के विशेष अवसर पर 15 अक्टूबर 2026 को बड़े पैमाने पर सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। ताजा जानकारी के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने फिल्म को यूध्ए प्रमाणपत्र दिया है।फिल्म को लेकर इससे पहले ऐसी खबरें और अटकलें सामने आई थीं कि कुछ दृश्यों तथा अत्यधिक हिंसा के कारण सेंसर बोर्ड फिल्म को श्एच्च प्रमाणपत्र दे सकता है। हालांकि, अब फिल्म को यूध्ए प्रमाणपत्र मिल गया है, जिससे सभी आयु वर्ग के दर्शकों के बीच इसकी पहुंच बढ़ने की उम्मीद है।

बताया जा रहा है कि निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार फिल्म के कुछ दृश्यों को कहानी और प्रस्तुति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना था। वहीं, रजनीकांत चाहते थे कि फिल्म को यूध्ए प्रमाणपत्र मिले, क्योंकि उनकी लोकप्रियता हर आयु वर्ग के दर्शकों के बीच है।

सेंसर बोर्ड के सुझावों और रजनीकांत की इच्छा को ध्यान में रखते हुए निर्देशक ने आवश्यक बदलाव किए। इसके बाद फिल्म ने सेंसर बोर्ड की प्रक्रिया पूरी की और उसे यूध्ए प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। हालांकि, फिल्म में किए गए बदलावों का विस्तृत ब्योरा सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।श्जेलर 2च्च में रजनीकांत के साथ दक्षिण भारतीय और



हिंदी सिनेमा के कई चर्चित कलाकार नजर आएंगे। फिल्म में मोहनलाल, शिवा राजकुमार, विजय सेतुपति, एस.जे. सूर्या, मिथुन चक्रवर्ती, योगी बाबू, राम्या कृष्णन और विद्या बालन महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं।

फिल्म में अभिनेत्री नोरा फतेही विशेष गीत में नजर आएंगी, जबकि अभिनेता ऋतिक रोशन भी एक अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। कलाकारों की लंबी सूची के कारण फिल्म को लेकर दर्शकों में पहले से ही काफी उत्सुकता बनी हुई है।फिल्म का संगीत अनिरुद्ध रविचंदर ने तैयार किया है। इसके गीत और पृष्ठभूमि संगीत को फिल्म की प्रमुख खासियतों में शामिल माना जा रहा है। फिल्म का संपादन निर्मल ने किया है, जबकि विजय कार्तिक कन्नन ने संभाली है।

श्जेलर 2च्च का निर्माण सन पिक्चर्स के बैनर तले किया गया है। निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार और रजनीकांत की जोड़ी की पिछली फिल्म श्जेलरच्च को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। ऐसे में अब इसके दूसरे भाग को लेकर भी दर्शकों के बीच काफी उत्सुकता है। फिल्म 15 अक्टूबर 2026 को दशहरा के अवसर पर सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

मिर्जापुर द मूवी ने ओवरसीज में रचा इतिहास, बार्डर 2 को दी मात, बनाया साल 2026 का इतना बड़ा रिकॉर्ड

पंकज त्रिपाठी, अली फजल और दिव्येंदु शर्मा सहित कई चर्चित कलाकारों से सजी फिल्म शमिर्जापुर द मूवीच्च बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन करने के बाद एक और बड़ी उपलब्धि हासिल कर चुकी है। घरेलू बाजार में मजबूत कमाई करने वाली इस अपराध–रोमांच फिल्म का विदेशों में भी प्रदर्शन प्रभावशाली रहा। फिल्म का विदेशी सिनेमाघरों में प्रदर्शन अब समाप्त हो गया है और इसके साथ ही इसने अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक नया मुकाम हासिल किया है।शमिर्जापुर द मूवीच्च ने विदेशों में 61 करोड़ रुपये की सकल कमाई की है। इस प्रदर्शन के साथ यह वर्ष 2026 में अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्मों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, फिल्म से आगे केवल धुरंधर 2 और भूत बंगला हैं।61 करोड़ रुपये की विदेशी कमाई के साथ मिर्जापुर द मूवीच्च ने वर्ष 2026 में रिलीज हुई कई बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इनमें श्बॉर्डर 2च्च, श्कॉकटेल 2च्च, श्हनुमान अंशच्च और श्वेलकम टू द जंगलच्च सहित कुल सात फिल्में शामिल हैं।

फिल्म की विदेशी बाजार में सफलता को इसकी लोकप्रियता और शमिर्जापुरच्च फ्रेंचाइजी के प्रति दर्शकों की मजबूत रुचि से जोड़कर देखा जा रहा है। भारत के साथ–साथ विदेशों में भी फिल्म को दर्शकों का अच्छा समर्थन मिला।

शमिर्जापुर द मूवीच्च का निर्माण करीब 90 करोड़ रुपये के बजट में किया गया है। फिल्म ने घरेलू



बाजार में भी शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में इसकी कुल कमाई 336 करोड़ रुपये से अधिक हो चुकी है। फिल्म के कारोबार को देखते हुए इसे बॉक्स ऑफिस पर बड़ी व्यावसायिक सफलता के रूप में देखा जा रहा है।फिल्म ने भारत में ओटीटी से जुड़े चर्चित कथानक और पात्रों को बड़े पर्दे पर लाने वाली फिल्मों के लिए भी एक नया मानदंड स्थापित किया है। फिल्म की 159.02 प्रतिशत वापसी को भी इसकी व्यावसायिक सफलता का महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

शमिर्जापुर द मूवीच्च का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के एक्सेल एंटरटेनमेंट तथा अमेजन एमजीएम स्टूडियोज के बैनर तले किया गया है।

फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, दिव्येंदु शर्मा, जितेंद्र कुमार, रवि किशन, श्वेता त्रिपाठी और रसिका दुगल सहित कई कलाकारों ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

रामायण से राजा दशरथ के अवतार में अरुण गोविल की पहली झलक आई, कर देगी मंत्रमुग्ध

नितेश तिवारी की राजा दशरथ का किरदार बहुप्रतीक्षित फिल्म रामायण निभा रहे हैं। पोस्टर में



भाग 1 से अरुण गोविल का पहला पोस्टर आ गया है। इस पौराणिक महाकाव्य में वह भगवान श्रीराम के पिता उनका भव्य लुक देखने को मिला है, जो लोगों को मंत्रमुग्ध कर देगा। रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म अपनी रिलीज से अब ज्यादा दूर नहीं है। इसका ट्रेलर पहले ही आ चुका है, जिसने लोगों को खूब उत्साहित किया हुआ है।पोस्टर में अरुण एक विशाल और कलात्मक सोने के सिंहासन पर बैठे हैं, जो अयोध्या के महाराजा की सत्ता, ऐश्वर्य और अधिकार को दर्शाता है। उनके चेहरे पर एक गंभीर, शांत और गहराई से भरा भाव मौजूद है।पारंपरिक रेशमी धोती और अंगवस्त्र में उनका शाही अंदाज देखने लायक है।कैप्शन में लिखा है, उन्होंने एक पीढ़ी के लिए राम का जीवंत चित्रण किया था। अब वे अयोध्या के राजा के रूप में रामायण की दुनिया में लौट रहे हैं।निर्माताओं ने पोस्टर के सबसे नीचे बड़े अक्षरों में दिवाली, 2026 वर्ल्डवाइड लिखा है, जो यह पुष्टि करता है कि फिल्म का यह पहला भाग दिवाली पर दुनियाभर के सिनेमाघरों और आइमैक्स फॉर्मेट में रिलीज होगा।इसमें रणबीर के अलावा, साई पल्लवी, यश, रवि दुबे और सनी देओल, लारा दत्ता, विवेक ओबेरॉय और रकुल प्रीत सिंह समेत कई सितारे मौजूद हैं।

फिल्म का निर्माण नमित मल्होत्रा ने अपनी कंपनी ग्लोबल प्रोडक्शन हाउस के

द वन का बाक्स आफिस रिकार्ड, बनी तमन्ना भाटिया के करियर की सेकंड हाइएस्ट ग्रासिंग फिल्म

सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया अभिनीत फिल्म श्द वन्यच्च बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने दूसरे सप्ताह में भी अपनी पकड़ बनाए रखी है। सिद्धार्थ और तमन्ना की जोड़ी और उनकी अभिनय केमिस्ट्री को दर्शकों की ओर से पसंद किया जा रहा है। फिल्म अब तमन्ना भाटिया के करियर की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है।बॉक्स ऑफिस से जुड़े आंकड़ों के मुताबिक, फिल्म ने दूसरे मंगलवार को करीब 1.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया। सोमवार की 95 लाख रुपये की कमाई की तुलना में मंगलवार को फिल्म के कारोबार में करीब 26.32 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

श्द वन्यच्च ने पहले सप्ताह में 54.86 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद आठवें दिन फिल्म ने 3.25 करोड़ रुपये, नौवें दिन 2 करोड़ रुपये और दसवें दिन 3.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया। 11वें दिन फिल्म की कमाई 95 लाख रुपये रही, जबकि 12वें दिन इसने 1.20 करोड़ रुपये का कारोबार किया।इस तरह फिल्म का भारत में कुल शुद्ध कारोबार 65.51 करोड़ रुपये हो गया है। फिल्म ने घरेलू बाजार में करीब 77.32 करोड़ रुपये का सकल कारोबार किया है, जबकि दुनियाभर में इसकी कुल कमाई 84.52 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। श्द वन्यच्च ने तमन्ना भाटिया के करियर में एक नया रिकॉर्ड बनाया है। यह उनकी दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बॉलीवुड फिल्म बन गई है। तमन्ना की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की सूची में श्एंटरटेनमेंटच्च पहले स्थान पर है, जिसने 72.02 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।



श्द वन्यच्च 65.51 करोड़ रुपये की कमाई के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसके बाद श्हमशक्लच्च 63.72 करोड़ रुपये के कारोबार के साथ तीसरे स्थान पर है। वहीं श्हिम्मतवालाच्च 47.45 करोड़ रुपये की कमाई के साथ चौथे स्थान पर है।

श्द वन्यच्च का निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा और अरुणाभ कुमार ने किया है। करीब 2 घंटे 45 मिनट लंबी इस फिल्म को रोमांच और काल्पनिक कथानक की श्रेणी में रखा गया है। फिल्म का निर्माण एकता कपूर और अरुणाभ कुमार ने किया है।

फिल्म की कहानी में बिहार के प्रमुख लोकपर्व छठ की भी झलक देखने को मिलती है। फिल्म के गीतों को भी दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म में सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया के अलावा अनूप सोनी, सुनील ग्रोवर, श्वेता तिवारी और मनीष पॉल भी प्रमुख भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं।

बिग बास 20 में पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर चर्चा तेज, शैनन के का नाम आगे

सलमान खान के लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 20 में पहली वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी की एंट्री को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 6 सितंबर 2026 से शुरू हुआ यह शो अपना पहला महीना पूरा कर चुका है और अब तक तीन प्रतियोगी रोहैद खान, ईशा रिखी और रिति तिवारी घर से बेघर हो चुके हैं। करीब तीन महीने तक चलने वाले इस शो में अब दर्शकों को पहली वाइल्ड कार्ड एंट्री देखने को मिल सकती है। इस कड़ी में अंतरराष्ट्रीय गायिका और अभिनेत्री शैनन के का नाम सबसे ज्यादा चर्चा में है।

शैनन के मशहूर गायक कुमार सानू की बेटी हैं। वह भारतीय संगीत जगत के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना चुकी हैं। शैनन का जन्म और पालन–पोषण विदेश में हुआ, लेकिन उन्होंने भारत से भी अपने करियर का मजबूत जुड़ाव बनाए रखा है।कुमार सानू ने दो शादियां की थीं। उनकी पहली शादी से गायक जान कुमार सानू हैं। वहीं, दूसरी पत्नी के साथ उन्होंने एक बेटी को गोद लिया था, जिसका नाम शैनन के है। शैनन ने संगीत और अभिनय के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है।शैनन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गायिका, गीतकार और अभिनेत्री के रूप में काम कर चुकी हैं। उन्होंने भारत के अलावा लंदन और लॉस एंजिल्स में भी अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने अपने संगीत करियर की शुरुआत पॉप गीत श्अ लॉन्ग टाइमच्च से की थी।

पिछले कुछ वर्षों में शैनन ने श्गिव मी योर हैंड्सच्च, श्रनच्च, श्एंटीडोटच्च, श्ओटीटीच्च और श्नॉट माई शेड्सच्च जैसे कई गीत जारी किए हैं। वर्ष 2025 में उन्होंने प्रतिष्ठित कोचेला संगीत समारोह में प्रस्तुति देकर भी सुर्खियां बटोरी थीं। इसके अलावा वह लंदन के प्रसिद्ध रॉयल अल्बर्ट हॉल में भी प्रस्तुति दे चुकी हैं।शैनन की लोकप्रियता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि उनके यूट्यूब चौनल पर 15 लाख से अधिक सदस्य हैं। संगीत के अलावा उन्होंने अभिनय के क्षेत्र में भी काम किया है।शैनन ने हिंदी फिल्म श्चल जिंदगीच्च में अभिनय किया था। इसके अलावा वह अभिनेता



अनुपम खेर की फिल्म 'तन्वी' द ग्रेट्च्च के लिए भी अपनी आवाज दे चुकी हैं। ऐसे में यदि शैनन श्बिग बॉस 20च्च में वाइल्ड कार्ड प्रतियोगी के रूप में प्रवेश करती हैं तो यह उनके प्रशंसकों के लिए भी खास मौका होगा।हालांकि, शो में उनकी वाइल्ड कार्ड एंट्री को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। फिलहाल शैनन के नाम की चर्चा जोरों पर है और दर्शकों की नजरें निर्माताओं की अगली घोषणा पर टिकी है।

आयुष्मान खुराना के साथ मुपापा में नजर आएंगी अभिनेत्री श्रेया चौधरी, वाईआरएफ लगाएगा बड़ा दांव

अभिनेता आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्म मुपापा को लेकर नया अपडेट सामने आया है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के साथ अभिनेत्री श्रेया चौधरी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रेया को बंदिश बैंडिट्सच्च और द मेहता बॉयजच्च जैसे धारावाहिकों के जरिए दर्शकों के बीच पहचान मिली है। अब वह बड़े पर्दे पर आयुष्मान के साथ जोड़ी बनाती दिखाई देंगी।इसी साल जुलाई में आयुष्मान खुराना के मुपापाच्च से जुडने की खबर सामने आई थी। फिल्म का निर्माण यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स मिलकर कर रहे हैं। यशराज फिल्म्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय विधानी इसके निर्माता हैं, जबकि फिल्म का निर्देशन समीर सक्सेना कर रहे हैं।श्रेया चौधरी का फिल्म से जुडना उनके अभिनय करियर के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। डिजिटल मंच पर अपने काम से दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने के बाद अब वह यशराज फिल्म्स की आगामी रोमांचक फिल्म के जरिए बड़े पर्दे पर दिखाई देंगी। बताया गया है कि यशराज फिल्म्स की प्रतिभा प्रबंधन शाखा ने श्रेया को विशेष प्रबंधन के लिए अनुबंधित भी किया है। इससे उनके पेशेवर सफर में एक नया अध्याय जुड़ गया है।मुपापाच्च को निर्माताओं ने एक अलग तरह की सिनेमाघर केंद्रित फिल्म बताया है। फिल्म की कहानी और प्रस्तुति को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन निर्माताओं का दावा है कि यह दर्शकों को नया दृश्य अनुभव देगी और कहानी की शुरुआत से अंत तक उन्हें बांधे रखेगी। फिल्म के निर्माण में यशराज फिल्म्स और पोशम पा पिक्चर्स का साथ आना भी इसे खास बनाता है। आयुष्मान खुराना की फिल्मों में आमतौर पर अलग विषय और कहानी देखने को मिलती है। ऐसे में मुपापाच्च में उनकी भूमिका और श्रेया चौधरी के साथ उनकी जोड़ी को लेकर दर्शकों में उत्सुकता बढ़ गई है।निर्माताओं ने मुपापाच्च की प्रदर्शन तिथि भी घोषित कर दी है। यह फिल्म 19 फरवरी 2027 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में प्रदर्शित की जाएगी। फिल्म की कहानी और कलाकारों से जुड़ी अन्य जानकारियों का खुलासा आने वाले दिनों में किए जाने की उम्मीद है।वहीं, आयुष्मान खुराना की आगामी फिल्मों में सूरज बडजात्या के निर्देशन में बन रही ये प्रेम मोल लियाच्च भी शामिल है। इस फिल्म को लेकर भी अभिनेता के प्रशंसकों में काफी उत्सुकता बनी हुई है।



महिलाओं को पूरे शरीर में होता है पुरुषों से ज्यादा दर्द, अध्ययन में हुआ खुलासा

दर्द हर किसी को हो सकता है और उसकी तीव्रता लोगों में अलग–अलग होती है। हालांकि, अब एक अध्ययन से सामने आया है कि पुरुषों की तुलना में महिलाओं को पूरे शरीर में ज्यादा दर्द होता है। इस अध्ययन के दौरान हर तरह के दर्द को ध्यान में रखा गया था। इसने यह चिंता बढ़ा दी है कि महिलाओं को उनके दर्द का निवारण करने के लिए दवाइयों की सही डोज भी दी जाती है या नहीं।लाखों लोगों ने लिया था इस अध्ययन में हिस्सास्वास्थ्य के क्षेत्र में खासा महत्व रखने वाले दुनिया भर के शोधकर्ताओं ने दर्द से जुड़ी महामारी विज्ञान के क्षेत्र में अब तक के सबसे बड़े अध्ययन को पूरा किया है।इसके लिए 1990 से 2025 के बीच 118 देशों के 60 लाख से ज्यादा लोगों से डेटा इकत्रच्चा किया गया, जिसमें 5 साल से लेकर 100 साल से ज्यादा उम्र के लोग शामिल थे।11 अंगों में महिलाओं को होता है पुरुषों से ज्यादा दर्दअध्ययन में पाया गया कि शरीर के 11 हिस्सों में महिलाओं द्वारा बताए गए दर्द का स्तर पुरुषों की तुलना में ज्यादा था। इनमें सिर, चेहरा, गर्दन या कंधा, पैर या टखना, हाथ या कलाई, कोहनी, छाती, पीठ, पेट, कूल्हा और घुटने शामिल थे।यह बात खास तौर पर सिरदर्द, चेहरे और पेट के दर्द के मामले में सच साबित हुई। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है ।

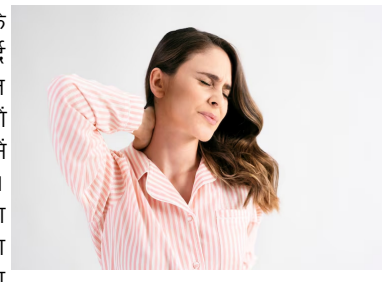

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।